आश्विन, पक्ष-शुक्ल, तिथि - षष्ठी+सप्तमी , संवत 2081 पृष्ठ : 8+2 जयपुर, 9 अक्टूबर - 15 अक्टूबर 2024 बुधवार वर्ष-10, अंक-32, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

कात्यायनी
मेधे सरस्वति वरे भूति
बाभ्रवि तामसि।
चामुण्डे मुण्डमथने,
नारायणि नमोस्तुते।।

शारदीय नवरात्र एवं दशहरा पर्व की शुभकामनाएँ

या देवी सर्वभूतेषु माँ कात्यायनी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

कात्यायनि महामाये
महायोगिन्यधीश्वरि।
नंद गोप सुतं देवि पतिं
में कुरुते नमः

नवरात्रि है आत्मबोध का पुण्य काल

सटीक

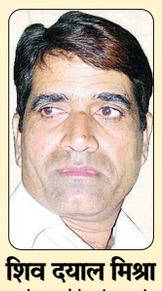

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

सनातन धर्म में हर दिन, हर घड़ी किसी ना किसी आध्यमिकता से ओतप्रोत है। इनमें से एक है नवरात्रि। आत्मिक ऊर्जा और बोध का पर्व। स्वजागरण और आत्म बोध का काल है नवरात्रि, जो प्राचीन काल में अहोरात्रि के नाम से प्रख्यात थी। यह स्वयं से और अपनी ऊर्जा से रूबरू होने की घड़ी है। जंबूद्वीप के भारत खंड में अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक का काल नवरात्रि के रूपमें मनाए जाने की परंपरा के सूत्र प्रागैतिहासिक काल से प्राप्त होते हैं। दो ऋतुओं के संधिकाल का यह नौ दिनों का बेहद लंबा पर्व स्वयं में बेहद विलक्षण और अदभुत है।

इस पर्व को देवी 'अम्बा' का पर्व कहा गया है। अंबा शब्द 'अम्म' और 'बा' के युग्म से बना है। कुछ द्रविड़ भाषाओं में अम्म का अर्थ जल और बा का मतलब अग्नि से है। लिहाज़ा अंबा का शाब्दिक अर्थ बनता है, जल से उत्पन्न होने वाली अग्नि अर्थात् विद्युत। इसलिए कहीं कहीं नवरात्रि को विद्युत की रात्रि यानि शक्ति की रात्रि भी कहा जाता है। यह पर्व नितांत वैज्ञानिक अवधारणों पर विकसित है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण इसे शक्ति विस्तार के लिए विपरीत परिस्थितियों से सामना करने से जोड़ कर देखता है। संघर्ष का अर्थ बाह्य युद्ध नहीं है, ना ही शक्ति प्राप्ति का अर्थ किसी देवी के खाते से शक्ति का स्थानांतरण है। यहां शक्ति से आशय स्वयं की महाऊर्जा से है, अंतर्मन की महाऊर्जा से है। नवरात्रि का दिव्य पर्व शक्ति को किसी पंडाल में स्थापित करने से ज़्यादा बाहर बिखरी हुई अपनी ही ऊर्जा को खुद में समेटने की बेला है। इसकी त्रिरात्रि स्वपरिचय और ज्ञान बोध की, तीन रात शक्ति संकलन और संचरण यानी फैलाव की और त्रिनिशा अर्थ प्राप्ति की कही गयी हैं। ये नौ दिन किसी तलवार को नहीं, स्वयं को धार प्रदान करने की अदभुत बेला है। वैज्ञानिक चिंतन कहता है कि हम बाह्य मस्तिष्क का सिर्फ़ कुछ प्रतिशत ही इस्तेमाल कर पाते हैं। हमारे बाह्य मस्तिष्क यानी चेतन मस्तिष्क से हमारा अचेतन मस्तिष्क नौगुणा ज़्यादा क्षमतावान है। इसलिए समस्त आध्यात्मिक साधनायें स्वयं में जाने की ही अनुशंसा करती है। आध्यात्म में नवरात्रि का पर्व अपने उसी नौ गुनी क्षमता के पुनर्परिचय का काल है। नवरात्रि की प्रत्येक रात्रि हमारी स्वयं की सुप्त आंतरिक क्षमताओं और ऊर्जाओं के भिन्न भिन्न पहलुओं को उद्घाटित करती है, जिसे मान्यताएं नौ प्रकार की शक्तियों या देवियों की संज्ञा देती है। शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्माण्डा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री, ये दरअसल किसी अन्य लोक में रहने वाली देवी से पहले हमारी अपनी ही ऊर्जा के नौ विलक्षण स्वरूप हैं।

shivdayalmishra@gmail.com

हरियाणा में लगातार तीसरी बार कमल, J&K में बनेगी NC+कांग्रेस की सरकार

पार्टी	हरियाणा	जम्मू-कश्मीर
भाजपा	48	29
कांग्रेस	37	49
अन्य	05	12

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बीजेपी सत्ता की हैट्रिक लगाने में कामयाब रही और कांग्रेस की दस साल बाद सत्ता की वापसी की उम्मीदों पर पूरी तरह से पानी फिर गया। प्रदेश की 90 सीटों में बीजेपी 48 सीटें जीतती हुई नजर आ रही है जबकि कांग्रेस 36 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। बीजेपी गैर-जाट और ओबीसी वोटरों को अपने साथ बांधे रखने में कामयाब रही है तो कांग्रेस की पहलवान, किसान और नौजवान के साथ बनाई जाट-दलित सोशल इंजीनियरिंग नहीं चल सकी।

कांग्रेस हरियाणा में जाटलैंड और मेवात के इलाके की सीटों पर ही अच्छा प्रदर्शन कर सकी है, जबकि दक्षिण हरियाणा और जीटी रोड बेल्ट के इलाके में बीजेपी अपना दबदबा बनाए रखने में कामयाब रही। बीजेपी को उन्हीं इलाके में जीत मिली हैं, जहां पर गैर-जाट जातियां अहम भूमिका में है। हरियाणा चुनाव के नतीजों से यह सवाल उठने लगे हैं कि 36 बिरादरी बनाम एक यानी जाट बनाम गैर जाट की पॉलिटिक्स का दांव बीजेपी के लिए सियासी मुफीद साबित हुआ तो कांग्रेस के हार का कारण बना है।

यह विकास और सुशासन की राजनीति की जीत है-नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, 'मैं हरियाणा की जनता को एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत देने के लिए नमन करता हूं। यह विकास और सुशासन की राजनीति की जीत है। मैं यहां के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि हम उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।'

आप के मलिक ने बीजेपी को हराया

जम्मू-कश्मीर चुनाव में आप के मेहराज मलिक ने बीजेपी के उम्मीदवार गजय सिंह राणा को 4770 वोटों से हराया। उनकों 22944 वोट मिलें जबकि बीजेपी उम्मीदवार को 18174 वोट मिले। इन दोनों के अलावा 9 और उम्मीदवार थें .जिसमें कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेस, पीडीपी, डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अलावा 3 निर्दलीय उम्मीदवार थें।

कांग्रेस के दांव पर बीजेपी की रणनीति रही हावी

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने हरियाणा की दस में से पांच सीटें जीती थीं, जिसके बाद कांग्रेस के हौसले बुलंद थे और दस साल बाद सत्ता की वापसी की उम्मीदें दिख रही थीं। कांग्रेस किसान, पहलवान और नौजवान के साथ दलित-जाट समीकरण बनाकर सत्ता में आने का दांव चला था। जाट समुदाय से आने वाले भूपेंद्र सिंह हुड्डा के इर्द-गिर्द कांग्रेस का चुनाव अभियान सिमटा हुआ था। बीजेपी ने गैर-जाटों, मुख्यरूप से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को एकजुट करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए नायब सिंह सैनी को आगे कर रखा था।

नेताओं की नाराजगी का परिणाम पर दिखा असर

हरियाणा में टिकट बंटवारे का क्लेश काफी लंबा चला। बीजेपी ने अपने असंतोष को संभाल लिया, लेकिन कांग्रेस नहीं संभाल सकी। कुमारी सैलजा की नाराजगी को बीजेपी ने दलित अस्मिता का मुद्दा बनाकर हरियाणा चुनाव को जाट बनाम गैर-जाट का नैरेटिव सेट कर दिया। भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस सिर्फ जाट बिरादरी को ही अहमियत देती रही। बीजेपी ने कुमारी सैलजा को बीजेपी में आने का न्योता देकर संदेश देने की कोशिश की गैर जाट समुदाय के लिए सबसे बेहतर ठिकाना बीजेपी है।

उमर अब्दुल्ला होंगे जम्मू-कश्मीर के अगले सीएम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन ने 49 सीटों के साथ बहुमत हासिल कर लिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने इस जनादेश के लिए जनता को शुक्रिया अदा करते हुए बताया है कि उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री होंगे। फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि जनता ने अपने मैंडेट के जरिए दिखा दिया है कि वह 5 अगस्त के फैसले (धारा 370 हटाने के फैसले) को स्वीकार नहीं करती है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में बेरोजगारी, महंगाई और नशे के कारोबार को खत्म करने के लिए हम काम करेंगे।

बडगाम-गांदरबल दोनों सीटें जीते उमर

दरअसल केंद्र शासित प्रदेश के चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं बीजेपी दूसरे पायदान पर है। फारूक अब्दुल्ला ने नतीजों के लिए जम्मू कश्मीर की अवाम का आभार जताते हुए कहा है कि सीएम उमर अब्दुल्ला होंगे। उमर अब्दुल्ला ने बडगाम और गांदरबल दोनों सीटों से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की।

मिथुन चक्रवर्ती दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिला। प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह विज्ञान भवन में हुआ और भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। मिथुन का नाम जैसे ही अनाउंस हुआ, एक्टर की आंखों में आंसू आ गए और वह इमोशनल हो गए। इसके अलावा बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी को अपना चौथा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। उन्हें यह सम्मान ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'गुलमोहर' में उनके अभिनय के लिए मिला है।

विकसित भारत, विकसित हरियाणा के विजन की जीत-मुख्यमंत्री शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को करारा जवाब देते हुए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायब सैनी के विजन पर फिर से विश्वास जताया है। वहां के जागरुक मतदाता ने विकसित भारत, विकसित हरियाणा के लिए वोट देकर बड़े जनादेश के साथ भाजपा को जिताया है। इसके लिए वहां की जनता बधाई की पात्र है।

उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जो कहते हैं, वो करते हैं और जो करते हैं, वही कहते हैं। इसलिए पूरे देश की जनता में उनके प्रति अटूट विश्वास है। जबकि कांग्रेस लूट, झूठ और अफवाहों का सहारा लेकर राजनीति करती है। आज हरियाणा की जनता ने कांग्रेस की इस राजनीति को नकार कर करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि जब मैं हरियाणा में चुनाव प्रचार के लिए गया था, तो वहां की जनता के भारी उत्साह को देखकर मैंने साफ कहा था कि हरियाणा में जीत की हैट्रिक बनेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में होने जा रहे चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी जीत हासिल करेगी। यहां तक कि 2029 के लोकसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा चौथी बार भारी बहुमत से जीत हासिल करेगी।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व को इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय देते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और हरियाणा भाजपा की पूरी टीम को इस जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने हरियाणा चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया, राजस्थान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ और राजस्थान के कार्यकर्ताओं को भी हरियाणा चुनाव में की गई अथक मेहनत के लिए धन्यवाद दिया।

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?

देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...

Kabira®
Healthy Growth
Yellow Mustard Oil

Natural Immunity Booster
FORTIFIED WITH VITAMIN A & D3
100% VEG.
COLD PRESSED
KOSHER

Approved by : WHO GMP
one of the OLDEST OIL known to HUMAN
India's Most Trusted Brand

स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा !

- प्राचीन शीतल विधी घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधी उच्च ताप रहित ।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
- केवल देसी सरसों द्धारा निर्मित ।
- मोटापा घटाने में लाभदायक ।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
- छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमूखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-

To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

For Award Details : Contact 98290-50738
* In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)

एसआई भर्ती परीक्षा : मंत्रियों की 6 सदस्यीय कमेटी ने माना भर्ती में गड़बड़ी

रद्द होगी या नहीं, फैसला कल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। एसआई भर्ती परीक्षा-2021 की समीक्षा के लिए 6 सदस्यीय कमेटी की पहली बैठक सोमवार को हुई। मंत्रियों की कमेटी ने माना कि भर्ती में भारी गड़बड़ी हुई है। बैठक में एसओजी एडीजी वीके सिंह ने अब तक हुई गिरफ्तारियों और गड़बड़ी के सबूतों पर प्रेजेंटेशन दिया। फिलहाल कमेटी एसओजी से मिली रिपोर्ट पर विचार कर रही है। अब अगली बैठक 10 अक्टूबर को होगी। बैठक के बाद समिति के संयोजक मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मामला बहुत ही कलकित करने वाला है। डमी कैंडिडेट भर्ती परीक्षाओं में बैठे और आरपीएससीसदस्य की संलिप्तता पाई गई है। इससे आरपीएससी की साख पर धब्बा लगा है। जोगाराम ने बताया कि 10 अक्टूबर को होने वाली अगली बैठक में भर्ती परीक्षा के रद्द करने या नहीं करने का निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि इंतजार कीजिए और भी मगरमच्छ पकड़े जाएंगे। आरोपियों का आंकड़ा 100 से पार हो गया है। अब जांच एजेंसियां ही बता पाएंगी कि कहां पर तार पहुंचे। इन सब आगामी बैठक में चर्चा की जाएगी। सबके हित में जो राय होगी।

डमी अभ्यर्थी बनकर एग्जाम देने वाली लेक्चरर वर्षा बिश्नोई कोटा से गिरफ्तार

एसआई भर्ती 2021 धांधली मामले में डमी अभ्यर्थी बनकर बैठने वाली वर्षा बिश्नोई को जोधपुर के रेंज आईजी कार्यालय की साइक्लोनर टीम ने कोटा से गिरफ्तार किया। वह कोटा में विमला नाम से रुकी थी। उसने फर्जी आधार कार्ड बनाकर रखा था। वर्षा काफी समय से स्टूडेंट बनकर फरारी काट रही थी, उस पर 25 हजार इनाम भी था। अब एसओजी वांटेड वर्षा बिश्नोई सेपूछताछ करेगी। एसआई भर्ती में एसआई जगदीश सिहाग ने वर्षा को अपनी बहन इंदुबाला और भगवती की जगह डमी कैंडिडेट बनकर परीक्षा में बैठाया था। वर्षा सरकारी टीचर के रूप में पहले जोधपुर में पदस्थ थी। वर्षा ने दोनों बहनों के बदले एग्जाम देने के लिए 15-15 लाख रुपए लिए थे। वर्षा बिश्नोई ने इंदुबाला और भगवती के एडमिट कार्ड पर खुद की फोटो लगाई थी। 13 सितंबर 2021 को जयपुर के झोटवाड़ा खिरणी फाटक स्थित सिद्धार्थ पब्लिक सेकेंडरी स्कूल में डमी कैंडिडेट बनकर परीक्षा दी थी। दोनों ने ही परीक्षा पास की। इंदुबाला ने 1139वीं और भगवती को 239वीं रैंक मिली थी। वर्षा ने खुद भी परीक्षा दी थी और उसे 834वीं रैंक मिली थी। आईजी ने बताया कि एसआई पेपर लीक केस में साइक्लोनर टीम की यह छठी गिरफ्तारी है। इस ऑपरेशन का नाम डॉक्टर फिक्सिट रखा गया।

अब तक 42 ट्रेनी सब इंस्पेक्टर गिरफ्त में

एसआई भर्ती परीक्षा 2021 को लेकर एसओजी अब तक 42 चयनित ट्रेनी सब इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि पेपर लीक मामले से जुड़े गैंग के 30 से ज्यादा लोग एसओजी के हत्थेचढ़ चुके हैं।

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित
जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886
सम्पर्क करें
विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com
समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

JAGRUK VIVIDH
जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net
जागरूक विविध
02 जयपुर, बुधवार
9 अक्टूबर- 15 अक्टूबर 2024
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

अलवर डेयरी का कलाकंद और बीकानेर का रसगुल्ला भी मिलेगा प्रदेश की सभी डेयरियों में

दिवाली पर राज्य भर में मिलेंगी "सरस" की मिठाइयाँ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। इस बार दीवाली के अवसर पर उपभोक्ताओं को राज्य भर में सरस ब्रांड की शुद्ध, स्वास्थ्यवर्धक और स्वादिष्ट मिठाइयाँ मिलेंगी। अलवर डेयरी का मशहूर कलाकंद और बीकानेर डेयरी का रसगुल्ला एवं राजभोग जैसी स्वादिष्ट मिठाइयाँ भी राज्य भर के ज़िला दुग्ध संघों द्वारा उपलब्ध कराई जायेंगी।

यह जानकारी देते हुए राजस्थान कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन की प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज ने बताया कि राज्य भर के ज़िला दुग्ध संघ इस बार दीवाली पर उपभोक्ताओं को शुद्ध सरस दूध और घी से बनी मिठाइयाँ उपलब्ध करायेंगे। उन्होंने बताया कि सभी ज़िला दुग्ध संघों को निर्देश दिये गये हैं कि मिठाइयों के निर्माण के समय हाइजीन, सैनिटेशन और उच्च गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस बार सभी ज़िलों में दुग्ध संघों द्वारा

निर्मित स्थानीय मिठाइयों के अलावा अलवर डेयरी का प्रसिद्ध कलाकंद (मिल्क केक/मावा) और बीकानेर डेयरी का रसगुल्ला, गुलाबजामुन, राजभोग और सोन पापड़ी जैसी प्रसिद्ध और स्वादिष्ट मिठाइयाँ भी मिलेंगे।

स्थानीय स्तर पर अजमेर, भीलवाड़ा और हनुमानगढ़ डेयरी द्वारा पेड़ा और भीलवाड़ा डेयरी द्वारा बर्फ़ी उपलब्ध कराई जाएगी। राज्य की सभी सहकारी डेयरियों द्वारा उनके कार्यक्षेत्र में चयनित डेयरी बूथ्स के अलावा प्रमुख स्थानों पर स्टाल लगाकर मिठाइयों की बिक्री की जाएगी। भारद्वाज ने बताया कि सभी ज़िला दुग्ध संघ बीकानेर डेयरी द्वारा निर्मित मिठाइयों का गिफ्ट हैंडपैक भी उपलब्ध करायेंगे। इस आकर्षक "सरस स्वीट गिफ्ट हैंपर्स पैक" में एक किलो रसगुल्ला का पैक, एक किलो गुलाब जामुन का पैक और 400 ग्राम के पैकेट में सोन पपड़ी होगी। यह सरस गिफ्ट पैक संपूर्ण राज्य में एमआरपी 550/- रुपये में उपलब्ध होगा। उन्होंने सभी सरस उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है कि सरस ब्रांड की "शुद्धता की गारंटी" ही उसकी पहचान है और उपभोक्ता सरस मिठाइयों की उच्च गुणवत्ता के प्रति भी सौ प्रतिशत निश्चिंत रहें।

एनएबीएच मूल्यांकन टीम ने किया दौरा

चिकित्सा के क्षेत्र में नये मापदण्डय स्थाापित करता महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सीसीआरएएस, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीनस्थ् झोटवाडा रोड, बनीपार्क जयपुर में स्थित महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थाशन चिकित्सालय को क्वालिटी कन्ट्रोल ऑफ इंडिया द्वारा अपनी उत्कृष्ट सेवाओं एवं व्यवस्थाओं के लिए एनएबीएच मान्यता प्रदत्त है। संस्थान प्रभारी, डॉ. बी. आर. मीणा ने जानकारी दी कि क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जयपुर राजस्थान में आयुर्वेद का एकमात्र अनुसंधान संस्थान है, जो विगत 52 वर्षो से अनुसंधान एवं चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत है।

संस्थान चिकित्सालय का NABH Midterm Surveillance 27 सितम्बर 2024 को एनएबीएच मूल्यांकन टीम द्वारा किया गया। मूल्यांकन टीम के सदस्य डॉ. गजेन्द्र टोडकर और डॉ. स्वप्निल पाटिल द्वारा संस्थान चिकित्सालय में मरीजों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं और कार्य प्रणाली का गहन अवलोकन किया गया। एनएबीएच मूल्यांकन टीम द्वारा चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से भी वार्ता की गई। जिसके अन्तर्गत चिकित्सायलय में भर्ती मरीजों के द्वारा भी चिकित्सालय की गुणवत्ता की सराहना की गई। एनएबीएच मूल्यांकन टीम द्वारा चिकित्सालय बहिरंग विभाग, अंतरंग विभाग एवं पंचकर्म अनुभाग का गहन अवलोकन करने के साथ चिकित्सालय कार्मिको से भी एनएबीएच से संबंधित जानकारी ली गई। अवलोकन के पश्चात एनएबीएच मूल्यांयकन टीम द्वारा संस्थान चिकित्सालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की सराहना की गयी।

लक्ष्मी पूजन पर मतान्तर : सूर्यास्त में अन्तर होने के कारण दो दिन मनाई जाएगी दीपावली

लोक, कुल परम्परा अनुसार करें लक्ष्मी पूजन

छह दिवसीय होगा दीपोत्सव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। इस वर्ष विभिन्न शहरों के सूर्यास्त में अन्तर होने के कारण प्रदोषकाल की गणना के अनुसार दीपावली पर मतान्तर सामने आये हैं, जिसके अनुसार कुछ क्षेत्रों में दीपावली 31 अक्टूबर 2024 एवं कुछ क्षेत्रों में 1 नवम्बर 2024 को दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। पं. सत्यनारायण शास्त्री बताया कि धर्मशास्त्र और ज्योतिष शास्त्र, मुहूर्त चिंतामणि में अनेक निराकरण हैं जिनके अनुसार श्रेष्ठ लग्न, श्रेष्ठ चौघड़िया, अभिजीत मुहूर्त और होरा के अनुसार तथा शास्त्र, लोक और कुल के अनुसार भी लक्ष्मी पूजन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जब किसी भी पर्व, त्यौहार को लेकर पंचांगों में मतभेद हो तो अपने कुल और लोक परंपरा के अनुसार त्यौहार मना सकते हैं। 31 अक्टूबर गुरुवार को शुभ, अमृत, चर के चौघड़िया में क्रमशः शाम के समय 4:15 से रात्रि 8:51 तक लक्ष्मी पूजन का सर्वश्रेष्ठसमय रहेगा। दीपावली पूजन समय 1 नवम्बर को प्रदोष काल में कार्तिक अमावस्या होने से इस दिन भी दीपावली मनाई जायेगी।

लक्ष्मी पूजन समय

प्रदोष काल सायं 5 : 40 से रात्रि 8 : 16 तक।
श्रेष्ठ लग्न वृष लग्न-सायं 6 : 31 से रात्रि 8 : 28 तक।
चौघडिया मुहूर्त-चर-लाभ-अमृत प्रातः 6 : 33 से प्रातः 10 : 41 तक।
अभिजीत मुहूर्त और शुभ में दोपहर 12 : 04 से दोपहर 1 : 27 तक व चर का चौघडिया सायं 4 :12 से सायं 5 : 35 तक रहेगा।
रात्रि लाभ का चौघड़िया रात्रि 8:50 से रात्रि 10: 27 तक।
सर्वश्रेष्ठ समय शाम 6:41 से शाम 6:43 तक हैं।

सर्वार्थसिद्धि योग और रवि योग में करें खरीदारी

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है और समापन 12 अक्टूबर शनिवार को विजयादशमी दशहरा पर होगा। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि इस बार मां दुर्गा पालकी पर सवार होकर आई हैं। इन नवरात्रि में विभिन्न योगों में खरीदारी कर सकते हैं जिससे लाभ मिलेगा और सुख समृद्धि में वृद्धि होगी। 11 अक्टूबर और 12 अक्टूबर को सर्वार्थसिद्धि योग में और रवि योग में भूमि, भवन, आभूषण, इलेक्ट् रॉनिक्स सामान, 12 अक्टूबर को विजय दशमी पर स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त और सर्वार्थसिद्धि योग होने से इलेक्ट्रॉनिक सामान, वस्त्र और आभूषण, वाहन खरीदना श्रेष्ठ रहेगा तथा 12 अक्टूबर शनिवार विजयदशमी को गृह प्रवेश का सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त दोपहर 12:10 से शाम 4:27 तक रहेगा।

रबी फसल से पूर्व गुण नियंत्रण अभियान

नकली उर्वरक के 314 भरे बैग जब्त

» जागरूक जनता @ जयपुर। कृषकों को उच्च गुणवत्ता युक्त खाद व बीज उपलब्ध करवाने और कालाबाजारी एवं नकली उर्वरकों पर अंकुश लगाने के लिए कृषि विभाग द्वारा रबी व खरीफ फसलों की बुआई से पहले प्रत्येक वर्ष विशेष गुण नियंत्रण अभियान चलाया जाता है। इस अभियान के तहत अलवर में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा कार्यवाही करते हुए आस मोहम्मद पुत्र मलखान ग्राम झाडोली ग्राम पंचायत घाटला के घर से नकली डीएपी खाद के 84 बैग इफको मार्का के और 230 बैग बिना मार्का के भरे हुए मिले व 15 खाली बैग इफको मार्का के और 60 खाली बैग बिना मार्का के जब्त किये गये। नकली उर्वरक के सैम्पल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला में भिजवाये गये हैं। निरीक्षकों द्वारा आस मोहम्मद पुत्र मलखान के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज करवाया गया।

केमिकल (इंडस्ट्रियल) डिजास्टर की टेबल टॉप एक्सरसाइज आयोजित

जयपुर, अलवर, जोधपुर एवं बाड़मेर में राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज कल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा प्रदेश के 4 जिलों जयपुर, अलवर, जोधपुर एवं बाड़मेर में केमिकल (इंडस्ट्रियल) डिजास्टर की राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज आगामी 10 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। इस मॉक एक्सरसाइज से पूर्व मंगलवार को शासन सचिवालय में टेबल टॉप एक्सरसाइज का आयोजन किया गया जिसमें केंद्र व राज्य सरकार के स्टेकहोल्डर्स के बीच समन्वय, एक्सरसाइज तैयारियों का मूल्यांकन, उनके कर्तव्यों के बारे में स्पष्टता एवं इंसिडेंट रेस्पोंस सिस्टम के बारे में जानकारी दी गयी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (रि.) ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक हकीकत है जिससे सम्पूर्ण पृथ्वी प्रभावित हो रही है। तेज़ी से बढ़ते औद्योगिकीकरण से भारत में भी केमिकल डिजास्टर जैसी आपदाओं की संभावनाए बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इन आपदाओं से बचाव के लिए केंद्र व राज्य के सभी संबंधित स्टेकहोल्डर्स को तैयार रहना होगा।

लेफ्टिनेंट जनरल सैयद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता है कि देश में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर विनिर्माण के साथ आपदाओं से निपटने की भी प्रभावी कार्यप्रणाली विकसित हो। उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश गैस, पेट्रोलियम, केमिकल, खनिज आदि सम्पदा से परिपूर्ण है लेकिन यहाँ जलवायु, हीटवेव, बाढ़, वज्रपात जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण केमिकल डिजास्टर का खतरा बना रहता है। इसलिए राज्य को इन आपदाओं से निपटने के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली, ड्रोन जैसी तकनीकों को विकसित करने के साथ विद्यालयों, अस्पतालों में भी जागरूकता पर कार्य करने की आवश्यकता है। आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में केमिकल डिजास्टर की कई घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं को रोकने के लिए घटित आपदाओं के कारणों की समीक्षा कर विस्तृत कार्ययोजना के तहत मॉक एक्सरसाइज की जा रही है। उन्होंने बताया कि जयपुर में गेल इंडिया लिमिटेड राजावास, बाड़मेर में वेदांता लिमिटेड, अलवर में लॉर्ड्स क्लोरो अल्कली लिमिटेड (मत्स्य इंडस्ट्रियल एरिया) और जोधपुर में उमा पोलिमर्स में यह मॉक एक्सरसाइज होगी।

मौसमी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित करें अधिकारी- जिला कलक्टर

» जागरूक जनता @ जयपुर। डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगूनिया सहित अन्य मौसमी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम के लिए सभी अधिकारी उपखंड अधिकारी की अगुवाई में धरातल पर हर संभव प्रयास करें। ताकि आमजन को बीमारी की चपेट में आने से रोका जा सके। यह कहना है जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी का। डॉ. सोनी ने यह बात मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कही। जिला कलक्टर ने उपखंड अधिकारियों को राजकीय चिकित्सालयों का नियमित निरीक्षण करने एवं फॉगिंग मशीन सहित उपलब्ध संसाधनों का रोस्टर बनाकर आगामी 25 अक्टूबर तक सभी इलाकों में सघन फॉगिंग करवाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि डेंगू पर वार-हर रविवार जैसे अभियान को और भी प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने की आवश्यकता है। ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी खंड विकास अधिकारी के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर क्षेत्र में साफ-सफाई सुनिश्चित करें।

रोम रोम में राम-गली गली में रामलीला

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

शारदीय नवरात्रि के प्रारंभ होते ही भारत के कई शहरों में रामलीला का मंचन भी शुरू हो जाता है। भारत में ही क्यों बाली, श्रीलंका, थाईलैंड, फिजी, दक्षिण अफ्रीका और मॉरीशस जैसे देशों में भी रामलीला का मंचन होता है और दर्शक खूब बढ़-चढ़के इस आयोजन को प्रेम से देखने पहुंचते हैं। रामलीला रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन है।यह लोक नाटक का ही एक रूप है और इसमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के जीवन से जुड़ी घटनाओं जैसे राम जन्म, राम बाल लीला, गुरुकुल में शिक्षा, यानी राम जन्म से लेकर वनवास जाने, सीता हरण, भारत मिलाप और रावण वध जैसी घटनाओं का मंचन किया जाता है। मुख्यतः रामलीला का मंचन पहले नवरात्रि से दशहरे रावण वध तक किया जाता है ।कई स्थानों पर दशहरे के दो दिन बाद लव कुश अध्याय का भी मंचन होता है। रामलीला की पाठ कथा तुलसीदास जी की श्री राम चरित्र मानस की कहानियों पर आधारित है। कथाओं के अनुसार 16वीं सदी में तुलसीदास जी के शिष्यों द्वारा रामलीला का मंचन काव्य/कथा रूप में करना शुरू किया था।जब तुलसीदास जी ने रामचरितमानस लिखी थी, उसी समय काशी के राजा ने रामनगर में रामलीला का मंचन कराने का संकल्प लिया था। तभी से देश भर में रामलीला के मंचन की परंपरा प्रारंभ हो गई। वैसे तो भारत में कई शहरों में रामलीला का मंचन होता है, चाहे दिल्ली के लाल किले की लव-कुश समिति द्वारा हो रही रामलीला का मंचन हो या गोरखपुर में सन् 1860 से बर्डघाट की रामलीला या फिर जयपुर के रामलीला मैदान में 80 वर्षों से चल रही रामलीला।

नविता
पत्रकार
@jagrukjanta.net

135 वर्ष से लगातार हर साल हो रहा रामलीला का मंचन

राजस्थान के खैरतल-भिवाड़ी जिले के कोटकासिम में रामलीला का मंचन दिन में होता है ,जहां आज भी सन् 1889 की तरह ही सरलता और सादगी से बिना किसी तकनीकी सहयोग के (सिवाय एक लाउडस्पीकर) के रामलीला का मंचन किया जाता है, खास बात यह है कि 135 साल से हर साल यहां रामलीला का मंचन खुले मैदान में किया जाता है । सन् 1889 में एक साधु द्वारा इस रामलीला का प्रारंभ होना बताया जाता है। इन साधुओं का उद्देश्य श्री राम के चरित्र को घर-घर पहुंचना ही रहा होगा। उस समय इस रामलीला को देखने 84 गांव के लोग आते थे, जहां खुले मैदान में राम और रावण के युद्ध को देखना लोगों को बड़ा लुभाता रहा है। रामलीला के मंचन में स्थानीय कलाकारों और लोगों का सहयोग देश में एकता और सौहार्द की मिसाल बन चुका है। 135 साल से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक नाट्य रूप से पहुंचाया जा रहा। यह मंचन एक विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र में लगातार संरक्षित किया गया है।

राजा सवाई कल्याण सिंहजी के मन को भाइ रामलीला

सर्दियों की हल्की-हल्की ठंड गर्म सिकती मुंगफलियों की सौंधी-सौंधी खुशबू के साथ सीकर शहर में रामलीला का मंचन सन् 1954 से हर साल हो रहा है। जानकारों के अनुसार 1953 में सांस्कृतिक कला मंडल का गठन किया गया, इसी कला मंडल के गठन के साथ सीकर में दशहरे का पर्व धूमधाम से मनाया जाने लगा । उसके अगले वर्ष सन् 1954 से रामलीला की शुरुआत माझी साहब के कुएं पर आयोजित हुई। एक बार सीकर के राजा कल्याण सिंह भी रामलीला देखने पहुंचे।वह इससे इतने भाव विभोर हो गए कि उन्होंने रामलीला मैदान (वर्तमान में) की जमीन संस्कृतिक मंडल को रामलीला के लिए प्रदान कर दी। करीब 200 कलाकारों में कोई सरकारी कर्मचारी, डॉक्टर, वकील, व्यापारी हैं वे बिना किसी फीस के अपने शहर में श्री राम के जीवन को जीवंत कर सबको प्रेरणा दे रहे हैं। सीकर के राम यानी डॉक्टर मुरारी शुक्ला पिछले 40 वर्षों से राम का किरदार निभा रहे हैं। यह राम जब सीता के लिए विलाप करते हैं तो दर्शकों में बैठी माताएं बहने अपनी अश्रु धारा नहीं रोक पाती जब रावण जयशंकर कहकर हुंकार भरता है तो बच्चे सहम जाते हैं। आज जब तकनीकी हम सभी के मन और मस्तिष्क पर अपना दुष्प्रभाव छोड़ रही है ,ऐसे समय में अपने स्क्रीन टाइम को छोड़कर आने वाली पीढ़ी को अपने शहर में हो रही श्री राम के जीवन पर आधारित रामलीला के मंच तक अवश्य ले जाएं ।

100 दिन की उपलब्धियों पर आयुष मंत्रालय की प्रेस वार्ता आयोजित

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान ने 10 हजार के मुकाबले 14 हजार वृद्ध स्वास्थ्य कैंप किए आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बनीपार्क के द्वारा एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता के दौरान संस्थान प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. बी.आर. मीणा ने 100 दिन की उपलब्धियों के बारें में जानकारी देते हुए बताया कि विगत आयुष मंत्रालय ने 10,000 के लक्ष्य के मुकाबले 14,000 से अधिक वृद्ध स्वास्थ्य कैंप आयोजित किए। साथ ही 1005 आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष को 100 दिनों में एनएबीएच प्रमाणन मिला है।

डॉ मीणा ने बताया कि मंत्रालय ने आयुष उपचार को मुख्यधारा के स्वास्थ्य सेवा में शामिल करने के लिए आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुर्वेदिक पैकेजों को शामिल करने के लिए एक समीक्षा बैठक आयोजित की। इसके तहत 170 पैकेजों को अंतिम रूप दिया गया है और संख्या की आवश्यकता के अनुसार बढ़ाई जा सकती है। विगत 100 दिनों के आयुष मंत्रालय भारत सरकार की मुख्य उपलब्धियो की जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रालय द्वारा 31 जुलाई को आयुष मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ के बीच एक दाता समझौता पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता भारत की अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठनों के साथ काम करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और आयुष प्रणालियों को वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली में एकीकृत करने के लिए काम करेगा। 1 अगस्त को भारत और वियतनाम के बीच औषधीय पौधों पर सहयोग केंद्रित एक समझौता किया गया। यह समझौता भारत और वियतनाम के पारंपरिक चिकित्सा प्रथाओं को आगे बढ़ाने

की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत और मलेशिया ने आयुर्वेद के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता किया है। यह साझेदारी शोधए ज्ञान विनिमय और आयुर्वेदिक उपचार योजनाओं के विकास को बढ़ावा देगी। भारतीय औषधीय एवं होम्योपैथी की औषधि आयोग और भारतीय औषधि आयोग के बीच 'एक जड़ी-बूटी, एक मानक' पहल को लागू करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता पर हस्ताक्षर किए गए। 26 अगस्त को केन्द्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने घोषणा की कि सरकार हर तहसील स्तर पर विशेष मेडिकल स्टोर्स खोलने की योजना बना रही है। एनएबीएच मूल्यांकन के अंतर्गत 1489 आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष का मूल्यांकन पूरा राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा प्रदाता के लिए राष्ट्रीय मान्यता बोर्ड से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, 1489 आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष का मूल्यांकन पूरा हो चुका है और इनमें से 1005 को आयुष एंट्री लेवल सर्टिफिकेशन के लिए प्रमाणित किया गया है।

डॉ मीणा ने क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान जयपुर की 100 दिन की प्रमुख उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी कि संस्थान का चिकित्सालय 13 मार्च 2023 से 3 वर्ष के लिए एनएबीएच मान्यता प्राप्त है। जिसका मध्या न्तार मूल्याकंन एनएबीएच टीम द्वारा सितम्बर माह में किया जा चुका है। टीएचसीआरपी परियोजना में अनुसूचित जाति बहुल 6 गांवों में लगभग 127 चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया। इन शिविरों के माध्यम से लगभग 2536 रोगियों का उपचार किया गया। इसके साथ ही, 1359 रोगियों की शुगर और रक्तचाप की जांच की गई। आम जनता को 43 विभिन्न विषयों पर जागरूकता व्याख्यान प्रदान किए गए। परियोजना के अंतर्गत गांवों से 4 फॉक क्लेम प्राप्त किए गए और आईएमआर परियोजना के अंतर्गत 260 रोगियों का सर्वेक्षण किया गया। डब्ल्यूसीएच परियोजना में, 5 अनुसूचित जाति बहुल गांवों में आयोजित 80 चिकित्सा शिविरों के दौरान 3000 रोगियों का उपचार किया गया। इसके अतिरिक्त, 2700 रोगियों की शुगर और रक्तचाप की जांच की गई और आम जनता को 35 विभिन्न विषयों पर जागरूकता व्याख्यान प्रदान किए गए। ईएमआएएस परियोजना में 3 ईएमआरएएस विद्यालयों में चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया। जिसमें 219 रोगियों का उपचार किया गया। इसके साथ हीए विधार्थी को विभिन्न विषयों पर जागरूकता व्याख्यान प्रदान किए गए।

लाईफ स्टाइल परियोजना के अंतर्गत, जयपुर शहर की 10 कॉलोनियों में आयुर्वेद आधारित जीवन शैली के रोगियों को पंजीकृत किया जा रहा है। इन रोगियों को जीवन शैली के प्रति जागरूकता प्रदान की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया और योग के महत्व को बढ़ावा दिया।विश्व रक्तदान दिवस 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 100 से अधिक लाभार्थियों ने रक्तदान किया। प्रकृति परीक्षण परिषद के निर्देशानुसार संस्थान में आमजन के प्रकृति परीक्षण का कार्य जारी है। इसमें अभी तक 200 प्रतिभागियों का प्रकृति किया जा चुका है एवं उनकी प्रकृति के अनुसार आहार.विहार एवं औषध का निर्देश एवं सलाह दिया जा रहा है।

संस्थाशन में पीएचडी पाठयक्रम शुरू: संस्थन द्वारा राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के माध्यम से 3 विषयों में 13 शिक्षकों को पीएचडी पाठयक्रम के अध्ययन हेतु प्रवेश दिया गया है। जिससे संस्थान के अनुभवी अनुसंधान अधिकारियों के निर्देशन में उक्त छात्र उच्च क्वालिटी का शोध कार्य कर सकेगें। साथ ही संस्थान में बीएमएस छात्रों को इंटर्नशिप सुविधां भी प्रदान की जा रही है।

सम्पादकीय

जयशंकर का प्रस्तावित पाक दौरा, SCO पर शुभ संकेत

SCO की बैठक में भाग लेने के लिए भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर के पाकिस्तान जाने से दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालाँकि, जयशंकर ने स्पष्ट किया कि वह द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा नहीं करेंगे। इस बैठक का महत्व भारत के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मंच पर भूमिका को भी इंगित करता है। भारत की ओर से जैसे ही यह स्पष्ट किया गया कि शांघाई सहयोग संगठन (SCO) की शिखर बैठक में शामिल होने के लिए विदेश मंत्री जयशंकर पाकिस्तान जाएंगे, दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की अटकलें लगाई जाने लगीं। दिलचस्प है कि इस फैसले को भारत-पाक रिश्तों के संदर्भ में ज्यादा देखा जा रहा है, जबकि यह SCO को भारत द्वारा दी जा रही अहमियत का भी उतना ही संकेत है। इसके पीछे दोनों पड़ोसी देशों के खट्टे-मीठे रिश्तों के बीच भी एक-दूसरे से भावनात्मक करीबी की भूमिका देखी जा सकती है। दोनों देशों में युद्ध हुए हैं और रिश्तों ने गिरावट की इंतिहा देखी है तो दोनों के बीच दोस्ती के दौर भी आते रहे हैं। लेकिन किसी भी सूरत में दोनों देशों के लोग एक-दूसरे से उदासीनता की स्थिति में नहीं पहुंचे। यही वजह है कि करीब एक दशक के अंतराल के बाद जब किसी भारतीय विदेश मंत्री के पाकिस्तान जाने का कार्यक्रम बनता दिखा तो कई कोनों से उत्साह छलकने लगा।

मौजूदा सूरते हाल में इस तरह के उत्साह को व्यावहारिक नहीं कहा जा सकता। शायद इसीलिए विदेश मंत्री जयशंकर ने देर किए बगैर स्पष्ट किया कि वह एक बहुपक्षीय संगठन की बैठक में शिरकत करने जा रहे हैं और वहां भारत-पाक रिश्तों पर कोई बातचीत नहीं करने वाले। साथ ही, उन्होंने यह तक कह दिया कि 'मैं एक सभ्य आदमी हूँ, तो वहां भी सभ्य आचरण ही करूंगा'। याद रखना होगा कि यह SCO की शिखर बैठक है और सामान्य स्थिति में इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने की उम्मीद होती। द्विपक्षीय रिश्तों की बदहाली ही कहिए कि पीएम की जगह एक सीनियर मंत्री का जाना भी पॉजिटिव सिग्नल माना जा रहा है। भारत इस तथ्य को समझ रहा है कि मौजूदा वैश्विक हालात में SCO जैसे एक अंतरराष्ट्रीय मंच के बेहतरीन इस्तेमाल का मौका किन्हीं दो देशों के आपसी रिश्तों की भेंट नहीं चढ़ाया जा सकता। यह एशियाई देशों का ऐसा मंच है, जो सुरक्षा से जुड़े मुद्दे देखता है। रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के चलते हाल के वर्षों में अमेरिका से रूस और चीन के रिश्तों में आई खटास किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में जब पश्चिम एशिया में युद्ध के फैलने का खतरा एक नया सिरदर्द बना हुआ है, इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी अहम भूमिका को भारत अनदेखा नहीं कर सकता। बहरहाल, कूटनीति में अलग-अलग बहानों की आड़ में आने वाले मौके भी अक्सर महत्वपूर्ण साबित होते हैं। पिछले साल पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी SCO की ही बैठक के सिलसिले में भारत आकर अपने बयानों से रिश्तों में और तल्खी घोलने का उदाहरण पेश कर चुके हैं। देखना होगा कि जयशंकर की सूझबूझ और शालीनता को खिलने और खुलने का कितना मौका इस प्रस्तावित पाकिस्तान यात्रा में मिलता है। गौरतलब है कि इससे पहले तत्कालीन समकक्ष मंत्री सुषमा स्वराज की पाकिस्तान यात्रा के बाद अब विदेश मंत्री जयशंकर की यह एससीओ यात्रा होने जा रही है।

सूचना क्रांति के इस संक्रमण काल में जब छद्म सूचनाओं और समाचारों से बाजार पटा हुआ है, रावण का रूप और भी विराट और आधुनिक हुआ है। वह बाजार का सबसे बड़ा चेहरा बन चुका है। चमचम करते बाजारों की संरचनाओं के चेहरों पर उसकी दर्प भरी मुस्कान छपी हुई है।

राम कहानी में रावण का अंतिम संस्कार

अशोक पाण्डे
पत्रकार
@jagrukjanta.net

पैसे की चौंध और आधुनिकता के नकली सिद्धांतों ने राम के आदर्शों को सर के बल खड़ा कर दिया है। एक सिद्धांत के रूप में राम का बताया मार्ग एक अनुकरणीय जीवन दर्शन तो हो सकता है लेकिन वैसा जीवन जीना कोई नहीं चाहता। हर किसी को रावण बनना है, हर किसी को रावण की वही चमचम करती पोशाक चाहिए जिसे पहन वह सार्वजनिक रूप से अट्टहास कर सके।

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जौनपुर के शायर असगर मेहदी 'होश' का शेर है- क्या सितम करते हैं मिट्टी के खिलौने वाले/ राम को रक्खे हुए बैठे हैं रावण के करीब। दशहरे की शुरुआत राम और रावण के बीच फर्क कर पाने की तमीज सिखाने के लिए की गई होगी। व्यापक जनमानस में रामकथा के एक क्लासिक के तौर पर स्थापित होने के बाद से ही राम और रावण क्रमशः अच्छाई और बुराई के प्रतीक बन गए। रावण पर राम की विजय का उत्सव दशहरा मानव समाज की इन दो विरोधी भावनाओं के बीच चलने वाले शाश्वत युद्ध पर एक निर्णायक वक्तव्य है। अच्छाई हमेशा बुराई को पराजित करेगी, असत्य का पर्दे के पीछे छिपा सत्य हमेशा सामने आएगा।

मेरा बचपन उत्तराखंड के नगर अल्मोड़ा में बीता। यहां का दशहरा बहुत खास होता है। उस दिन यहां न सिर्फ रावण का पुतला फूंका जाता है, उसके साथ उसके तमाम साथियों के पुतले भी आग के हवाले किए जाते हैं। पिछले कुछ बरसों से यहां कुल मिलाकर 28 पुतले फूंके जाते रहे हैं जिनमें अहिरावण, कुंभकर्ण, मेघनाद, प्रहस्त, ताड़का और देवांतक जैसे मिथकीय चरित्र शामिल हैं।

इन पुतलों को बनाने में बहुत मेहनत की जाती है और एक पुतला दो से तीन महीने में बन पाता है। इस परंपरा पर 'द बर्निंग पपेट्स' नाम से एक डॉक्यूमेंट्री भी बन चुकी है। शहर के हर पुराने मोहल्ले की अपनी पुतला समितियां हैं। यह पहले से तय रहता है कि कौन सा मोहल्ला किस पुतले को बनाएगा। इनके निर्माण में जो चाहे हिस्सा ले सकता है। जौहरी बाजार में कुंभकर्ण बनेगा तो धारानौला में प्रहस्त। रावण का पुतला नगर के सबसे संपन्न मोहल्ले लाला बाजार में बनता है और वही सबसे शानदार दिखाई देता है। दशहरे के दिन फूंके जाने से पहले समूचे नगर में इन पुतलों का जुलूस निकाला जाता है।

अल्मोड़ा की रामलीला बहुत विख्यात है। यूनेस्को की एक रपट में डेढ़ सौ बरस से होती आ रही इस रामलीला को वैश्विक सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा बताते हुए इसे अयोध्या, बनारस, सतना और मधुबनी की रामलीलाओं के समकक्ष रखा गया है। अल्मोड़ा के ऐतिहासिक हुक्का क्लब में रामलीला की तैयारी महीनों पहले शुरू हो जाती है। इसे तालीम कहा जाता है। प्रसंगवश रामलीला के साथ तालीम जैसा उर्दू शब्द इसलिए जुड़ा कि शुरुआती वर्षों में कलाकारों की संगत के लिए दिए जाने वाले संगीत के निर्माण में अल्मोड़ा आ कर बस गए मुसलमान संगीतकारों का बड़ा हाथ होता था। रामलीला की तालीम के दौरान पात्रों की वेशभूषा और आभूषणों पर अलग से काम किया जाता था।

राम को सदैव निश्छल दिखाया जाना होता था इसलिए कोई सुदर्शन किशोर ही राम की भूमिका के लिए छांटा जाता। कोई किशोर हद से हद दो या तीन साल तक ही राम का रोल कर सकता था क्योंकि फिर उसकी मूंछें आनी शुरू हो जाती थीं। रावण की भूमिका तय रहती थी। नगर का कोई विशालकाय अभिनेता इस काम को बीस-पचीस सालों तक किया करता था। राम की पोशाक के सामने रावण की पोशाक बेहद भव्य, महंगी और आकर्षक हुआ करती थी। बंदर की भूमिका करने वाला बच्चा भी मन ही मन एक बार उस पोशाक को धारण करने का सपना देखता था। रावण के हिस्से ही सारे हिट संवाद आते थे और उसी को देखने सबसे बड़ी भीड़ जुटा करती।

रामलीला के राम और रावण के पात्रों की यह कथा देश की तकरीबन हर रामलीला पर लागू हो सकती है। राम के मुकाबले रावण को हमेशा अपराजेय और चमत्कारी दिखना चाहिए। राम की कथा और उससे जुड़ी परंपराओं को उनके रस्मी अर्थों से इतर सांकेतिक रूप से देखेंगे तो पाएंगे कि संसार में रावणों का राज्य रहा है। उनकी सफलता के किस्से समाचारों की सुर्खियां बनते हैं। आपको हर जगह वे ही सत्ता में दिखाई देंगे। कोई आश्चर्य नहीं कि सुशासन को रामराज्य का नाम दिया जाता है और वह हमेशा एक अमूर्त और अवास्तविक चीज बना रहता है। सूचना क्रांति के इस संक्रमण काल में जब छद्म सूचनाओं और समाचारों से बाजार पटा हुआ है, रावण का रूप और भी विराट और आधुनिक हुआ है। वह बाजार का सबसे बड़ा चेहरा बन चुका है। चमचम करते बाजारों की संरचनाओं के चेहरों पर उसकी दर्प भरी मुस्कान छपी हुई है। दुनिया के सबसे तेज दिमाग उसकी सत्ता को मजबूत बनाने में दिन-रात मेहनत में लगे हुए हैं। कहीं युद्ध है, कहीं मिसाइलों के बाजार सजे हैं। विज्ञापन के रथ पर सवार रावण की सवारी दिन में सौ दफा निकलती है जिसका सीधा प्रसारण निर्धन झुग्गियों तक पहुंचाया जा चुका है। दिन भर रिक्शा खींचने, हाड़ गलाने वाला एक मजदूर शाम को घर पहुंचता है तो उसके थैले में नून-तेल-आटे के अलावा प्लास्टिक के रैपर में लिपटा कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता है जो उसके बच्चे मांगते हैं। प्लास्टिक के उस गैरजरूरी रैपर के बगैर आज के समाज की कल्पना करना मुश्किल लगता है।

पैसे की चौंध और आधुनिकता के नकली सिद्धांतों ने राम के आदर्शों को सर के बल खड़ा कर दिया है। एक सिद्धांत के रूप में राम का बताया मार्ग एक अनुकरणीय जीवन दर्शन तो हो सकता है लेकिन वैसा जीवन जीना कोई नहीं चाहता। हर किसी को रावण बनना है, हर किसी को रावण की वही चमचम करती पोशाक चाहिए जिसे पहन वह सार्वजनिक रूप से अट्टहास कर सके। संक्षेप में कहें तो हर बीतते दिन के साथ स्थितियां खराब से खराब होती जा रही हैं। अमीरी और गरीबी के बीच का फासला बढ़ता जा रहा है। अंग्रेजी कवि विलियम बटलर येट्स की एक कविता का संदर्भ दूं तो संसार में जो सबसे भले हैं वे पराजित हैं जबकि सबसे बुरों के पास जीने को लेकर सबसे ज्यादा उत्साह और उल्लास है। अमीर कजलबाश की तरह मैं भी दशहरे के इस दिन बस इतनी सी दुआ ही कर सकता हूं, 'तेरे बच्चे प्यासे हैं, इन पौधों को पानी दे/ रावण रात जगाता है कोई राम-कहानी दे।'

(ये लेखक के अपने विचार है)

...ताकि रामराज्य विराजमान हो

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मुझे रश्क नहीं है तेरी कामयाबी पे ऐ दोस्त। मगर तुझे इश्क क्यूं है किसी की नाकामयाबी पे। ये सिलसिला यूं ही चला आ रहा है सदियों से खुर्रम खुर्रम। उल्फत से जीना तो जैसे याद नहीं रहा, मगर किसी की जान कैसे आफत में पड़े यही दस्तूर बन गया है मौजूदा दौर का। वक्त बदला है, चरित्र नहीं। मूल्य, उसूल और रिवायत भी तेजी से करवट ले रही हैं। वे लोग जो लोक लिहाज के अच्छे दामनगीर हैं। सच्चे अर्थों में वे ही परंपराओं को पकड़े बैठे हैं। गोया बाकियों ने तो जैसे हमारी संस्कृति, परंपराओं पे अकीदत के फूल चढ़ा दिए हैं। विषमताएं तो ठीक है पर, विकृतियां ठीक नहीं। अब विकृतियों ने ही हर क्षेत्र में अपना ढेरा डाल दिया है। हर शाख पे उल्लू बैठा है अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा। बस! यही सूरतेहाल देखने को मिल जाता है हर मोड़ पे। ईमानदारी पे हावी बेईमानी, कर्मण्यता पे हावी कामचोरी और हरामखोरी का बोलबाला ज्यादा हो गया है। सच्चाई तो यह है कि जब ईमानदारी को कोई ईनाम नहीं मिलेगा तो बेईमान तो हावी होगा ही। आदमखोर जमाना हमेशा ही शिकार की तलाश में रहता है। फिर चाहे किसी की नौकरी खाने की बात हो या फिर किसी की हंसती खेलती जिन्दगी में खलल डालने की। ऐसे आदमखोर फितरत के लोग खामोश कदमों के साथ हर वक्त होशो-हवास में दखल डालते रहते है। यदि आप किसी कंपनी में काम कर रहे हैं तो ईमानदारी से काम के साथ- साथ अपनी नौकरी बचाने पर भी वक्त देते हैं। कामचोरी की आदत से मजबूर कानाफूंसी मिजाज के लोग कर्मण्य लोगों पर हावी रहने की कोशिश करते हैं। बोस की आंखों का सुरमा चुराकर ऐसे कान भरते हैं कि सच्चाई तो बस किसी कोने में दम तोड़ती दिखाई देती है। ऐसे सिस्टम का बोलबाला डेंगू, मलेरिया से भी तेजी से पनप रहा है। बोस या मालिक कान के कच्चे क्यूं होते हैं। कान भरने वाले इतने पक्के क्यूं होते हैं। यह तो बायो मेथोडोलॉजी का सब्जेक्ट है और ईमानदार हर वक्त रिजेक्ट क्यूं हैं यह नियति का अजब खेल है। सांप-छछूंदर का खेल तो समझ आता है पर, बेबस, लाचार तो वैसे भी मरा समान है फिर शेर, चीते, भेड़ियों के मानिंद लोग ऐसे मरे लोगों का हर रोज शिकार करते हैं। क्या जानवरों से भी नीचे गिर गया है नालायक इंसान, जो पहले से ही मरे लोगों का जीवन लील रहा है। समाज सुधारकों, विद्वानों की वाणी को सुनने वाले लोग कमजोर दिल के क्यूं हो रहें है। वहीं कानून से खिलवाड़ करने वाले लोग क्यूं दिल खोलकर शेर की मानिंद दहाड़ रहे हैं। ऐसे कई सवाल हैं जिनका जवाब शायद कुछ होता ही नहीं है। वक्त आ गया है अब हमारे वैज्ञानिकों को ऐसे यंत्र का आविष्कार करना चाहिए जो सच्चाई का दामन पकड़ सके और बेईमान को पकड़वा सके ताकि दुनियावी सच्चाई और किताबी ज्ञान में सामंजस्य बैठ सके। फिर देखिए! असुरों का होगा नाश और रामराज्य होगा कायम। फिर होगी यहीं परंपरा विराजमान।

पूनम चन्द्र
व्यंग्य लेखक
@jagrukjanta.net

(ये लेखक के अपने विचार है)

अंदर का रावण होता भयानक

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बचपन में नवरात्र और दशहरा दिलो-दिमाग पर छाए रहते थे। पूजा के इन दस दिनों में हम बच्चों के पास जैसे कोई और काम ही न रहता हो। बस पूजा पंडाल और रामलीला। दशहरा बहुत मस्त करता था। पुतलों को जलते देख मन पगला सा जाता था। फिर राम के तीर। पुतलों में लगती आग, उठती लपटें और पटाखों के शोर के बीच एक-एक कर गिरते रावण, कुंभकरण और मेघनाद! लेकिन थोड़ा बड़ा होते-होते मिजाज बदलने लगा। ये दस दिन कुछ और ही लगने लगे। कहीं कुछ था, जो बदल गया था।

वृजेन्द्र सिंह
पत्रकार
@jagrukjanta.net

याद है एक दिन यों ही स्कूल में अपने सर से पूछा था कि इस दशहरे का क्या मतलब है? सर थोड़ा सा वक्त लेते हुए बोले, 'इस दिन राम ने रावण का वध किया था। सीता का अपहरण करने के कारण रावण को मारना पड़ा। रावण के दस मुंह थे। उस पर जीत के लिए दशहरा मनाया जाता है।' 'पर पुतले क्यों जलाए जाते हैं?' मैं उतने से ही संतुष्ट नहीं हुआ था। 'राम की जीत और रावण की हार के लिए ये पुतले जलाए जाते हैं। यह असत्य पर सत्य की जीत है।' यह कहते-कहते उनका चेहरा खिल उठा था। मैं कहीं अटक रहा था लेकिन आगे सवाल नहीं कर पाया।

जितना मैं उन चीजों पर सोचता, और उलझता जाता। कुछ सालों बाद दशहरा मैदान से लौटते हुए बाइबल की एक कथा याद आने लगी। समाज की नजर में एक बदजात औरत को मारने पूरा गांव इकट्ठा होता है। जीसस से पूछा जाता है। वह कहते हैं कि पहला पत्थर वह मारे जिसने अपनी जिंदगी में कोई गलत काम न किया हो? बड़ा सीधा सा सवाल था। लेकिन वहीं से सब कुछ बदल गया। वह भीड़ धीरे-धीरे छंट जाती है। मेरे लिए यहीं से पूरे दशहरे का मतलब बदलने लगा। पुतले जलाने के प्रतीक का एक ही मतलब मेरी समझ में आ सका। जीवन में जो कुछ असत्य, असुंदर और अन्यायी है उसे जला कर राख कर देना। अपने भीतर भी और बाहर भी।

लोकभावना का ऐसा प्रतीक सचमुच अद्भुत है। अपनी चिंतन परंपरा पर गर्व होने लगता है। लेकिन फिर खयाल आता है कि हमें आजाद हुए 73 साल बीत गए हैं। चारों ओर घोर अराजकता है। भ्रष्टाचार तमाम हदें पार कर रहा है। शक्ति का घनघोर दुरुपयोग हो रहा है। शक्ति आज उनकी तरफ है, जिन्होंने झूठ और फरेब का दामन पकड़ा हुआ है। तमाम राजनीतिक पार्टियों में विरोध की शक्ति खत्म हो चुकी है। हम एक हिंसक समाज की ओर बढ़ रहे हैं और चुप हैं। ऐसे में विजयदशमी मनाने के क्या मायने?

दशहरा मैदान याद करते हुए यही सोचता हूं कि बाहर के असत्य और अनाचार से हम लड़ नहीं पा रहे हैं। अपने भीतर जो रावण बैठा है, उसे जिंदगी की रेशमी फिसलन ने और भयानक बना दिया है। दशहरा मैदान में पहुंचे तमाम लोगों के चेहरों से लगता है कि वे रावण फूंकने के लिए कृतसंकल्प होकर आए हैं। यों भीड़ में से कोई एक राम ही तीर मारता है। लेकिन लगता है कि हर ओर से तीर ही तीर मारे जा रहे हैं और लोग खुशी से पगला रहे हैं। लेकिन क्या ये लोग उन्हीं लोगों का विस्तार नहीं हैं, जो उस बदनाम औरत को लहूलुहान करने आए थे? उस लोककथा में उठा सवाल अगर यहां उछाल दिया जाए तो? आज कौन राम है जो रावण पर तीर चला पाएगा? राम संपूर्ण हो सकते हैं। वह देवता हैं। मनुष्य तो संपूर्ण नहीं हो सकता। यों संपूर्णता एक मिथ है। राम भी एक मिथ हैं और विजयदशमी भी एक मिथ है। हम अगर एक भी बाहरी-भीतरी असुर को जला लें, तो सब सार्थक है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

छह चक्रों के भेद के बाद कपाल स्थित सातवीं भूमि है। यहां सहस्रार (जार पंखुड़ियों वाला) कमल है जहां सच्चिदानन्द ब्रह्म का निवास है। वहीं शिव और शक्ति का मेल है। यहां पहुंचने पर समाधि हो जाती है तब बारी ज्ञान बिल्कुल नहीं रता। कोई विरले ही इस अवस्था में पहुंचते हैं और पहुंच कर वापिस भी उतर सकते हैं। समाधि भी कई प्रकार की होती हैं। जैसे जड़ समाधि, चेतन समाधि, स्थित समाधि, उन्मना समाधि आदि। इसके अलावा देहरूपी वृक्ष पर, महावायु रूपी शक्ति, किस प्रकार ऊपर चढ़ती हुई सस्रार तक पहुंचती है। समाधि पांच प्रकार की बताई गई है- कपिवत्, मीनवत्, पक्षीवत् पिपीलिकावत् व तिर्यग (सर्प) वत्।

परमात्मा का स्वरूप: समष्टि रूप ब्रह्म का नाम परमात्मा है जो सर्वत्र व्याप्त है। परमात्मा के दो स्वरूप हैं-एक गुणातीत अनन्त। दूसरा सगुणब्रह्म जो माया विशिष्ट ईश्वर कहा जाता है जो निराकार और साकार दोनों है। परमात्मा समस्त प्राणियों के आत्मा हैं और सर्वत्र सब की सत्ता के रूप में स्वयं सिद्ध वस्तु हैं। ब्रह्मा से लेकर तिनके तक छोटे-बड़े सब प्राणियों में, पंच भूतों से बनी हुई वस्तुओं में, सूक्ष्म तन्मात्राओं में, महततत्व में, तीनों गुणों में और गुणों की साम्यवास्था प्रकृति में एक ही अविनाशी परमात्मा विद्यमान हैं। वे ही समस्त सौंदर्य, माधुर्य और ऐश्वर्यों की खान हैं। क्रमशः

ओपिनियन

दशहरे पर रावण की हड़ताल

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सोटागुरु का खैनी बनाने का अंदाज ही जुदा है। उनकी अदा पर लाखों फ़िदा हैं। सोटागुरु के खैनी बनाने का अंदाज उस समय बेइंतहा हो जाता है जब सिर पर पगड़ी बधी हो और मूछे नागिन डांस करती हों। उनकी खैनीवाली अदा के लाखों दीवाने हैं। सोटागुरु कहते हैं 'अस्सी चुटकी नब्बे ताल,तब देखो खैनी की चाल।' चौपाल पर सोटागुरु का खैनीडांस जब होता है तो कितने युवा ड्रग्स पार्टी जैसी मस्ती में खुद को खो बैठते हैं। वह जमींन पर होते हुए भी करूज की सैर कर आते हैं। सोटागुरु को देश दुनिया की अच्छी जानकारी है। बस, उन्हें कोई छेड़ दे तो बात बन जाए।

प्रभुनाथ शुक्ल
व्यंग्य लेखक
@jagrukjanta.net

खबरीलाल ने सोटागुरु को एक गंभीर खबर सुना कर आखिर छेड़ ही दिया। खबर सुनते ही सोटागुरु के चेहरे पर हवाईयां उड़ने लगीं। वह धर्मसंकट में पड़ गए। उनके माथे पर चिंता की लकीरें साफ दिखने लगीं। उन्होंने स्पष्टीकरण मांगते हुए इस खबर की अंतिम पुष्टि की इच्छा से पूछा। खबरीलाल क्या तुम सच कहत हौ। जी बिल्कुल! सोटागुरु, पक्की खबर है। अबकी दशहरे पर रावण ने हड़ताल कर दिया है। उसने प्रभु श्रीराम को व्हाट्सेप, मैसेंजर, इंस्टाग्राम, फेसबुक और मेल के जरिए संदेश भेज दिया है कि अबकी दशहरे पर वह नहीं मरेगा। रावण ने लंका में इंटरनेशनल मीडिया की प्रेस बीफ भी बुलाकर अपनी इच्छा जाहिर कर दी है। दुनिया भर में यह खबर जंगल की आग की तरह फैल गयी है। इस पर इहलोक और परलोक में डिबेट छिड़ गयीं है।

रामजी को भेजे संदेश में रावण ने साफ कहा है कि त्रेता से लेकर हम मरते-मरते कलयुग तक आ पहुंचे। पांच हजार साल से कलयुग में भी मरते आ रहे हैं। लेकिन हमने अब मुफ्त में मरने का इरादा छोड़ दिया है। रावण ने कहा है- कितनी बार मैं मरूंगा? युगों-युगों तक मरने का ठेका क्या हमी ने ले रखा है। पूरे देवलोक में इस खबर से खलबली मच गयीं है। जबकि इससे भी बड़ी आश्चर्य की बात तो यह है कि रामजी ने रावण की हड़ताल को जायज बताया है।उन्होंने कहा है कि रावण की हड़ताल बिल्कुल जायज और लोकतांत्रिक है। प्रभु की इस लोकतांत्रिक इच्छा से विष्णुलोक में खलबली मच गयीं है। जबकि रावण की लंका में इसे श्रीराम का समदर्शी न्याय बताते हुए मुक्त कंठ से प्रशंसा हो रही है। खबरीलाल ने सोटागुरु को बताया कि देवलोक की मीडिया इस खबर को युगान्तकारी बताते हुए ब्रेकिंग चला रहीं है। सभी चैनल इस पर डिबेट कर रहे हैं। देव और दैत्यलोक के विश्लेषक अपने-अपने तरीके से इस पर डिबेट कर रहे है कि भविष्य में इसका क्या असर होगा। मीडिया में रामजी ने रावण के हड़ताल का समर्थन क्यों किया इसकी वजह तलाशी जा रहीं है। देवलोक चाहता है कि प्रभु श्रीराम इसका स्पष्टीकरण दें। जबकि रावण की लंका में इस पर खूब जश्न मनाया जा रहा है, लेकिन विभीषण परेशान हैं। आखिर यह सब हुआ कैसे।

सोटागुरु ने कहा निशानेबाज तुमने यह खबर सुना कर त्यौहार का मजा किरकिरा कर दिया। हमने सोचा था कि दशहरा करीब है। अबकी सबकुछ अच्छे से मनेगा। लेकिन रावण ने तो होलियाना मूड में भांग पीकर फैसला सुना दिया। त्यौहारी और चुनावी मौसम में सोचा था कुछ खैरात का सरकारी गिफ्त मिल जाएगा। लेकिन भिया, रावण को क्या बोले वह तो रावण ठहरा। सोटागुरु, रावण कह रहा था कि डीजल, पेट्रोल और राई का तेल महंगा हो गया है। हमारे 'एक लाख पूत और सवालाख नाती' बेकारी और बेगारी झेल रहे हैं। अनगिनत को मुए कोरोना ने लूट लिया। किसी तरह मुझे बख्श दिया है। फिर इस महंगाई के दौर में आखिर मुफत क्यों मरूं। जब सब कुछ बिक रहा है तो मेरी भी तो बोली लगनी चाहिए। आखिर दशहरा तो अपुन का टाइम है भाय। सरकार तो हर साल दशहरा और दिवाली पर अपने लोगों को बोनस और इंक्रीमेंट देती है। ऊपर से लोग काजू कतली का गिफ्ट भी पाते हैं। मुझे तो हर साल मुफत में मरने का भी बोनस नहीं मिलता। सोटागुरु गंभीर चिंतन में चले गए। गहरी सांस लेते हुए कहा अब क्या होगा खबरीलाल। होगा क्या गुरु, अबकी ऊंट ने करवट बदल ली है। सूत्रों से खबर आयी है कि देवलोक की अपातकाल मीटिंग में रामजी खासे नाराज हैं। उन्होंने कहा है कि रावण की बात जायज और लोकतांत्रिक है। उसने सच कहा है कि एक गुनाह की सजा उसे कितनी बार दी जाएगी। उसका कथन तर्कसंगत है कि प्रभु! हमने तो माँ सीता का सिर्फ एकबार हरण किया था। जिसकी सजा में मुझे त्रेता से लेकर कलयुग तक मरना पड़ा। जबकि यहां तो हर रोज सीता का हरण होता है। रोज जलायी जाती हैं। चीरहरण आम बात है। मैं तो उस दौर में अकेला रावण था अब तो लाखों हैं जो माँ सीता को रोज हरते हैं। हर गली, मोहल्ले, चौराहे और घर में हैं नाथ। फिर प्रभु, मेरे भी तो लोकतांत्रिक और मानवीय अधिकार हैं।

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर देखें
jagrukjanta.net

गहलोत ने सर्कस ही किया है, इस लिए उन्हें सर्कस ही दिखता है-भजनलाल

» जागरूक जनता @ जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सर्कस वाले पर बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान पूरे 5 साल 'सर्कस' किया.अब उनको सर्कस ही दिखता है। शर्मा ने कहा कि गहलोत कई बार राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और अनुभवी भी हैं, इसलिए उन्हें कोई बयान देने से पहले आत्मचिंतन करना चाहिए क्योंकि वे जो मुद्दे अब उठा रहे हैं उन पर वे काम कर सकते थे। बीते दिनों गहलोत ने जोधपुर में मीडिया से बातचीत में कहा था कि राज्य में सरकार नहीं बल्कि सर्कस चल रहा है।

■ जयपुर विजिलेंस टीम ने अवैध परिवहन करते 6 वाहन जब्त कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द किये

» जागरूक जनता @ जयपुर। खान विभाग की जयपुर विजिलेंस टीम ने अवैध खनिज परिवहन करते 6 वाहन जब्त कर संबंधित थानों को सुपुर्द किया है। एसएमई विजिलेंस जयपुर प्रताप मीणा ने बजरी के तीन वाहन जब्त किए हैं, जिनमें से दो डंपर व एक ट्रेलर है। बजरी के दो वाहनों को मुहाना थाने को सुपुर्द किया गया है, वहीं एक वाहन कानोता थाने के बगराना चौकी को सुपुर्द किया गया है। इसी प्रकार एसएमई विजिलेंस जयपुर केसी गोयल द्वारा कार्रवाई करते हुए बजरी का अवैध परिवहन करते एक वाहन को सांगानेर सदर थाना को सुपुर्द किया गया हैं। एम सेंड अवैध परिवहन करते वाहन को कानोता व मेसेनरी स्टोन का अवैध परिवहन करते एक वाहन को जब्त कर दांतली थाने के सुपुर्द किया गया है।

■ मोबाईल पशु चिकित्सा सेवा के लिए कॉल सेंटर लोकार्पण आज

» जागरूक जनता @ जयपुर। पशुपालन, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत के मुख्य आतिथ्य एवं राज्य मंत्री पशुपालन, गोपालन एवं मत्स्य विभाग जवाहर सिंह बेढम के विशिष्ट आतिथ्य में बुधवार 9 अक्टूबर को आगरा रोड स्थित राजस्थान राज्य पशुधन प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान में सुबह 11 बजे मोबाईल वेटरिनरी इकाइयों के लिए कॉल सेटर का लोकार्पण समारोह आयोजित किया जा रहा है। पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ समित शर्मा ने कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया और कार्यक्र म को सफल बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। डॉ शर्मा ने बताया कि भारत सरकार की केंद्र प्रवर्तित योजना ESVHD-MVU के तहत प्रदेश में 536 मोबाईल वेटरिनरी यूनिट के माध्यम से पशुपालकों को उनके घर पर पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। राज्य में प्रत्येक 01 लाख पशुओं पर एक मोबाईल वेटरिनरी यूनिट काम करेगी।

मुख्यमंत्री ने ली राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक

आमजन को जमीन से जुड़े प्रकरणों में मिले त्वरित न्याय, निश्चित समयावधि में हो निस्तारण-शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्व विभाग जमीनों से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाएं ताकि आमजन को त्वरित एवं सुलभ न्याय मिल सके। उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए वर्तमान नियमों में यथासंभव संशोधन करने एवं नियमों के सरलीकरण के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पटवारी, गिरदावर, नायब तहसीलदार आदि की जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए राजस्व संबंधी प्रकरणों का एक निश्चित समयावधि में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने रेवेन्यू अपीलेट ऑथोरिटी की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा करते हुए इसके सुचारू संचालन के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय को एक कार्ययोजना प्रेषित करने के निर्देश भी दिए।

नियम विरूद्ध जमीन आवंटन पर हो सख्त कार्रवाई

शर्मा ने पूर्ववर्ती सरकार के समय में नियम विरूद्ध किए गए जमीन आवंटनों के प्रकरणों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि पर्यटन एवं एग्रो प्रोसेसिंग जैसे प्रोजेक्ट के लिए निःशुल्क ऑनलाइन डीम्ड कन्वर्जन के सुसंगत नियम बनाने के निर्देश प्रदान किए, ताकि वर्तमान में मिल रही कन्वर्जन छूट का दुरूपयोग न हो। शर्मा ने वनप्रत्यावर्तन के क्रम में गैर वन भूमि के शीघ्र आवंटन हेतु एक लैंड बैंक स्थापित करने के निर्देश दिए।

आरएएलएएमएस पोर्टल पर उपलब्ध हो बड़े भू-भागों की सूची

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 9 से 11 दिसम्बर, 2024 तक जयपुर में 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' का आयोजन करने जा रही है। इस आयोजन से निवेश का नया वातावरण तैयार होगा और प्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य में बदलाव आएगा। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को भूमि आवंटन पोर्टल (आरएएलएएमएस) पर बड़े भू-भागों की सूची उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। जिससे इच्छुक निवेशक को उद्योग लगाने में सुविधा मिल सके।

भू-संपरिवर्तन के प्रकरणों का निस्तारण का घटा समय

शर्मा ने कहा कि आवेदकों को त्वरित सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से नामांतरण पोर्टल एवं रेवेन्यू लैण्ड कन्वर्जन पोर्टल संचालित किए जा रहे हैं। लैण्ड कन्वर्जन पोर्टल पर वर्तमान में (1 अप्रैल 2024 से 7 अक्टूबर 2024) भू-संपरिवर्तन के प्रकरणों का निस्तारण समय 16 दिवस है, जो कि 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक 35 दिन था। उन्होंने राजस्व मण्डल एवं कर बोर्ड के एकीकरण, डीआईएलआरएमपी के अन्तर्गत राजस्व रिकॉर्ड के कम्प्यूटरीकरण की स्थिति, मॉर्डन रिकॉर्ड रूम, राजस्थान रेवेन्यू कोर्ट मॉर्डनाइजेशन सिस्टम एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना क्षेत्र में आवंटन आदि की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

किसान स्वयं कर रहे गिरदावरी

उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग सूचना तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से काश्तकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में नवाचार कर रहा है, जिसके माध्यम से किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ भी मिला है। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टेक ऐप के माध्यम से किसानों द्वारा स्वयं ही गिरदावरी की जा रही है। अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि प्रदेश में पटवारियों द्वारा भी ऐप के माध्यम से ई-गिरदावरी की जा रही है। खरीफ वर्ष 2024 की 83.75 प्रतिशत गिरदावरी भी हो चुकी है। बैठक में राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा एवं राज्य मंत्री विजय सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व एवं उपनिवेशन दिनेश कुमार, राजस्व बोर्ड के अध्यक्ष हेमन्त कुमार गैरा सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान का कमाल, पूरे देश में चौथे नम्बर पर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह-2024 के लिए जनांदोलन डैशबोर्ड का अंतिम परिणाम प्राप्त हो गया है। उन्होंने बताया कि इसमें राजस्थान के महिला बाल विकास विभाग के अंतर्गत समेकित बाल विकास सेवाएं निदेशालय (आईसीडीएस) को राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन के लिए चौथी रैंक प्राप्त हुई है।

शासन सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह-2024 के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों की प्रविष्टियों में राष्ट्रीय स्तर पर महाराष्ट्र को प्रथम, बिहार को द्वितीय तथा छत्तीसगढ़ को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह-2024 के लिए जनांदोलन डैशबोर्ड पर राजस्थान राज्य में आयोजित हुई गतिविधियों की 01 करोड़ 14 लाख 69 हजार 191 एंट्री हुई है। वहीं महाराष्ट्र राज्य की 2 करोड़ 45 लाख 80 हजार 897, बिहार की 01 करोड़ 52 लाख 86 हजार 412 तथा छत्तीसगढ़ की 01 करोड़ 46 लाख 95 हजार 75 गतिविधियों की प्रविष्टियां हुई।

राजस्थान में इन जिलों का प्रदर्शन रहा अच्छा

निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं ओ पी बुनकर ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह-2024 के लिए जनांदोलन डैशबोर्ड पर राजस्थान की ओर से बेहतरीन काम किया गया। इसकी रिपोर्टिंग की प्रविष्टियां करने में चूरू, टोंक और हनुमानगढ़ आगे रहे। इस आधार पर राजस्थान में चूरू को प्रथम रैंक, टोंक को द्वितीय रैंक तथा हनुमानगढ़ को तृतीय रैंक प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि बीकानेर, श्री गंगानगर, जैसलमेर, सीकर, बारां, झुंझुनू, बूंदी, झालावाड़, जोधपुर, अजमेर, पाली, भीलवाड़ा, कोटा और दौसा जिलों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

जागरूक खबरें

■ सोमावत संयुक्त महासंघ के मीडिया प्रभारी प्रवक्ता नियुक्त

» जागरूक जनता @ जयपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत शाखा राजकीय कांवटिया अस्पताल की कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें संघ अध्यक्ष श्रवण कुमार यादव ने नीमकाथाना जिले के छावनी निवासी पवन सोमावत को मीडिया प्रभारी प्रवक्ता बनाया गया है। सोमावत वर्तमान में अखिल भारतीय राजस्थान सहायक कर्मचारी महासंघ की उपशाखा-कांवटिया अस्पताल में वरिष्ठ सलाहकार है।

■ गुलाबबाग को यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराने की पहल

» जागरूक जनता @ उदयपुर। राजस्थान में झीलों की नगरी उदयपुर शहर की ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहर गुलाबबाग को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराने को लेकर प्रस्ताव करने का निर्णय लिया गया है।

■ सरिस्का के कोर क्षेत्र में बसे 164 परिवारों को किया विस्थापन

» जागरूक जनता @ अलवर। सरिस्का के कोर क्षेत्र में बसे गावों के विस्थापन की प्रक्रिया के तहत 164 परिवारों को तिजारा के मलियार जट गांव में बसाये जाने की जानकारी मिली है। उम्मीद जताई जा रही है कि नवरात्र में उक्त परिवार पूरी तरह विस्थापित हो जाएंगे। गांव वाले खुद ही जाने के इच्छुक हो गए हैं।

मुख्यमंत्री की उच्च स्तरीय बैठक-जाखम बांध-जयसमंद बांध को जोड़ने की डीपीआर 4 माह में हो तैयार

प्रदेश में नदियों की हो इंट्रास्टेट लिंकिंग-मुख्यमंत्री शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में पेयजल एवं सिंचाई के लिए जल उपलब्धता राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इंट्रास्टेट नदियों को जोड़ने के कार्य व्यापक स्तर पर किया जाए एवं जन सहभागिता के माध्यम से जल संचय को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि जल संसाधन से जुड़ी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग एवं क्रियान्वयन समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए।

शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में जल संसाधन, इंदिरा गांधी नहर एवं सिंचित क्षेत्र विकास एवं जल उपयोगिता विभाग से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं एवं कार्यों पर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के कार्य में अनावश्यक देरी करने वाले ठेकेदारों एवं अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, इंदिरा गांधी नहर बोर्ड अध्यक्ष कुंजीलाल मीणा, सहित संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

ब्राह्मणी नदी पर बांध निर्माण कार्य में लाएं तेजी

शर्मा ने बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि माही बेसिन की जाखम नदी एवं बांध के अधिशेष जल को जयसमंद बांध से जोड़ने तथा माही व सोम नदी के अधिशेष जल को जवाई बांध तक लाने की बजट घोषणाओं की प्रोजेक्ट रिपोर्ट आगामी 4 माह में पूरी कर ली जाए, ताकि आगामी वर्ष के बजट में इन परियोजनाओं को मूर्त रूप दिया जा सके। इसी र म में शर्मा ने राणा प्रताप सागर व जवाहर सागर बांध के जल अपवर्तन कार्य की बजट घोषणा की अनुपालना में ब्राह्मणी नदी पर बनाए जाने वाले बांध के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने डूंगरी बांध एवं ईसरदा बांध के ऊपरी भाग में फ्लेप निर्माण के लिए भूमि अवाप्ति की कार्यवाही शीघ्र शुरू करने तथा प्रभावित क्षेत्र में आने वाले लोगों को समुचित मुआवजा उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए।

परियोजनाओं में ना हो अनावश्यक विलम्ब

शर्मा ने 500 करोड़ रुपए से अधिक की लागत की विभिन्न परियोजनाओं की भौतिक प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने परवन परियोजना के संबंध में निर्देश दिए कि इस परियोजना में जल संग्रहण के लिए बांध निर्माण कार्य तथा जलापूर्ति के लिए नहर निर्माण के होने वाले कार्यों को एक साथ ही कर लिए जाए। क्योंकि किसी भी परियोजना में अनावश्यक विलम्ब से उसकी लागत में भी बढ़ोतरी होती है। उन्होंने धौलपुर लिफ्ट सिंचाई व पेयजल परियोजना के कार्य को नियत समय पर पूरा करने एवं अपर हाई लेवल कैनाल परियोजना बांसवाड़ा की रिडिजाइन करवाने के निर्देश दिए।

प्राकृतिक डिप्रेशन्स के प्रोजेक्ट्स में स्थानीय योजनाएं हो शामिल

बैठक में मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी नहर विभाग की मुख्य नहर पर बने चार प्राकृतिक डिप्रेशन्स को जलाशयों में परिवर्तित किए जाने की योजना की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि इस प्रोजेक्ट को स्थानीय योजनाओं के आधार पर पीएचईडी के माध्यम से पूरी किए जाने के विकल्प पर विचार किया जाए। साथ ही, उन्होंने बाह्य ऋण की सहायता से संचालित परियोजनाओं में होने वाले जीर्णोद्धार कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान केन्द्रीय प्रवर्तित योजनाओं के माध्यम से संचालित परियोजनाओं की समीक्षा भी की।

नीमराणा एवं घिलोट जापानी औद्योगिक क्षेत्र को मिले ईआरसीपी का लाभ

बैठक में शर्मा ने संशोधित केपीसी-ईआरसीपी प्रथम चरण में प्रस्तावित कार्यों की प्रगति एवं इस परियोजना में पेयजल एवं औद्योगिक जल उपयोगिता सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने इस परियोजना में नीमराणा एवं घिलोट जापानी औद्योगिक क्षेत्र के लिए जल उपयोगिता के बिंदुओं को शामिल किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने देवास परियोजना तृतीय एवं चतुर्थ के प्रगतिरत कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

राजस्थान पर्यटन विकास निगम और हुडको के मध्य हुआ ऋण एमओयू

राजस्थान पर्यटन को मिलेगी उड़ान, 415 करोड़ का मंजूर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दिया कुमारी तथा शासन सचिव पर्यटन रवि जैन की उपस्थिति में राजस्थान पर्यटन विकास निगम और हुडको की ओर से सचिवालय में आरटीडीसी की प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा एवं हुडको के क्षेत्रीय प्रमुख सुधीर भटनागर के मध्य 415 करोड़ रुपए के ऋण के लिए एमओयू का आदान प्रदान किया गया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मीडिया को बताया कि आज हुडको से 415 करोड़ रुपए के दीर्घकालीन लोन का एमओयू आदान प्रदान किया गया है। राजस्थान में पर्यटन के क्षेत्र में विकास की असीम संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं पर अभी बहुत काम किया जाना है। उन्होंने कहा कि हुडको के साथ हुए एमओयू से पर्यटन विकास के लिए वित्तीय संबल मिलेगा। राजस्थान में पर्यटन विकास को और गति मिलेगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के तीर्थ स्थलों, स्मारकों,नए डेस्टीनेशन्स को और अच्छा बनाने के लिए कार्य किए जाएंगे। राजस्थान आने वाले पर्यटकों का अनुभव शानदार हो इसके लिए हमारा प्रयास होगा। राईजिंग राजस्थान हमारे लिए एक बेहतर अवसर है। पर्यटन की दिशा में हम बहुत आगे बढ़ने वाले हैं। राईजिंग राजस्थान से पर्यटन के क्षेत्र में नए निवेश होंगे। राजस्थान को पर्यटन क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाने के प्रयास सार्थक होंगे। हुडको के क्षेत्रीय प्रमुख सुधीर भटनागर ने कहा कि आरटीडीसी होटल के नवीनीकरण के कार्य तथा पर्यटक स्थलों और पर्यटन के क्षेत्र में अच्छी सुविधाओं का विकास महत्वपर्ण है। उन्होंने कहा कि ऋण स्थगन अवधि 2 वर्ष की होगी, इसके बाद मूल राशि का पुनर्भुगतान शुरू होगा।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech

ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET
SchoolMaster SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner | Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

पंचांग

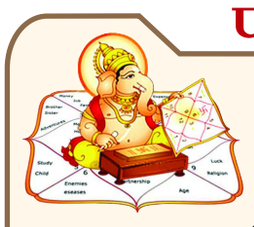

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 09/10/2024

सूर्योदय : 06:27 **सूर्यास्त :** 18:00 **चन्द्रोदय :** 12:11 **चन्द्रास्त :** 22:24 **शक सम्वत :** 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना :** आश्विन **पूर्णिमांत :** आश्विन**सूर्य राशि :** कन्या**चन्द्र राशि :** धनु **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** षष्ठी, 12:11 तक **वार :** बुधवार **चन्द्रमास आश्विन :** पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत :** 2081 पिङ्गल **आश्विन :** अमान्त **गुजराती सम्वत :** 2080 राक्षस

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : मूल, 29:06 तक
योग : सौभाग्य, 06:34 तक
प्रथम करण : तैतिल, 12:11 तक
द्वितिय करण : गारा, 24:24 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:40 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:04 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:05 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:58 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:58 पी एम से
अमृत काल	10:33 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:44 पी एम से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पूर्व
कुंभ चक्रः दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:26 - 07:52	उद्वेग	: 17:59 - 19:33
अमृत	: 07:52 - 09:19	शुभ	: 19:33 - 21:06
काल काल वेला	: 09:19 - 10:46	अमृत	: 21:06 - 22:39
शुभ	: 10:46 - 12:13	चर	: 22:39 - 00:13
रोग वार वेला	: 12:13 - 13:39	रोग	: 00:13 - 01:46
उद्वेग	: 13:39 - 15:06	काल	: 01:46 - 03:20
चर	: 15:06 - 16:33	लाभ	: 03:20 - 04:53
लाभ	: 16:33 - 17:59	उद्वेग	: 04:53 - 06:26

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघड़िया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघड़िया माना जाता है।

आज षष्ठी

आज कौन सा कार्य करें

यात्रा, पितृ कर्म, मंगल कार्य, संग्राम, शिल्प, वास्तु, भूषण के लिए शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आश्विन, शुक्ल, षष्ठी, 2081 बुधवार, 09 अक्टूबर - 15 अक्टूबर, 2024

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने महिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

अस्पतालों का योजनाबद्ध रूप से होगा मेंटीनेंस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पतालों में चिकित्सकीय व्यवस्थाओं के साथ-साथ भवनों की स्थिति में सुधार के लिए मेंटीनेंस कार्यों पर योजनाबद्ध रूप से कार्य किया जाएगा। चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने मंगलवार को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से संबद्ध सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान इस संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि निरीक्षण के दौरान महिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सुविधाएं संतोषजनक पाई गई हैं, लेकिन भवन की स्थिति में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने महिला चिकित्सालय में विभिन्न मेंटीनेंस कार्यों के लिए जल्द एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में पांच वर्षीय प्लान बनाकर समेकित रूप से मेंटीनेंस कार्य करवाए जाएं। साथ, ही टॉयलेट्स में बार बार लीकेज की समस्या दूर करने के लिए प्लंबरिंग कार्य की पद्धति में बदलाव करें। अस्पताल का भवन साफ-सुथरा और सुंदर हो एवं मेंटीनेंस कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करें। उन्होंने अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन आईपीडी टॉवर के काम को भी जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। अम्बरीष कुमार ने करीब ढाई घंटे तक अस्पताल का दौरा किया एवं अधिकारियों से व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए चर्चा की।

मेले हमारी सांस्कृतिक धरोहर एवं परम्पराओं के संवाहक-जिला कलक्टर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भरतपुर। श्रीजसवंत प्रदर्शनी एवं पशुमेला-2024 का उदघाटन मंगलवार को जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव ने विधिवत रूप से पूजा-अर्चना कर ध्वजारोहण के साथ किया। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा सहित प्रशासनिक, पुलिस एवं पशुपालन सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि 1920 में तत्कालीन महाराजा किशन सिंह द्वारा अपने दादा महाराजा जसवंत सिंह की याद में मेले की शुरूआत की गयी थी तब से निरंतर मेला आयोजन किया जाता रहा है। इस वर्ष यह 105वां मेला है, प्रतिवर्ष अश्विन शुक्ल पंचमी से अश्विन शुक्ल चर्तुदशी तक आयोजित किये जाना वाला यह मेला बृज अंचल का एक विशेष आयोजन है जिसका उत्तर भारत के चुनिंदा लक्खी मेलों में प्रमुख स्थान है। उन्होंने कहा कि मेले हमारी सांस्कृतिक धरोहर एवं पहचान होने के साथ सामाजिक सौहार्द के प्रतीक हैं। हमारी परम्पराओं के संवाहक रहे हैं इनके माध्यम से युवा पीढ़ी तक सांस्कृतिक परम्पराओं का निर्वहन होता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में मेले के आयोजन में वर्षा के चलते जलभराव से आने वाले अवरूद्धों के स्थाई निस्तारण हेतु ड्रैनेज प्लान बनाकर कार्य किया जायेगा जिससे आने वाले समय में मेले का आयोजन और भी बेहतर तरीके से किया जा सके। उन्होंने बताया कि मेला मैदान में बिजली, सीसीटीवी कैमरा, पेयजल की बेहतर व्यवस्था कराते हुए मैदान को विकसित किया जायेगा जिससे व्यापार के लिए अधिक व स्थाई अवसर उपलब्ध करवाये जा सकेंगे। जिला कलक्टर ने कहा कि श्रीजसवंत प्रदर्शनी में प्रदेश के साथ-साथ मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, हरियाणा राज्य के भी पशुपालक एवं व्यापारी भाग लेकर व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि मेले में दूरदराज से आने वाले ग्रामीणों को आवश्यक घरेलु सामान उचित दरों पर मिलने के साथ मनोरंजन के लिए भी झूले व खानपान की दुकानें लगायी गयी हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन कर स्थानीय परम्पराओं को बढ़ाया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस बार पशुपालन विभाग द्वारा आयोजित किये जा रहे दशहरा कार्यक्रम भव्य एवं शानदार होने वाला है जिसमें रावण, कुम्भकरण एवं मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जायेगा।

वर्षों बाद फिर से शुरू हुआ रामलीला का मंचन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुरलीपुरा स्कीम में रामलीला का मंचन फिर से शुरू हुआ। दस दिन तक चलने वाली रामलीला नारद मोह से लेकर भगवान श्रीराम का राजतिलक होने तक लीला दिखाई जाएगी। अब तक रामलीला में नारद मोह, धनुष यज्ञ, परशुराम-लक्ष्मण संवाद, दशरथ-केकई प्रसंग, राम वन गमन, केवट प्रसंग, दशरथ मरण, सीता हरण आदि लीलाओं का मंचन हुआ। कलाकारों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यहां रामलीला मंचन 1985 में प्रारंभ हुई जो लंबे समय तक चलती रही, लेकिन किन्हीं कारणों से आज से लगभग 20 वर्ष पूर्व यह स्थगित हो गई। रामलीला समिति के कई पदाधिकारी, सदस्य एवं उस दौर के कई कलाकार अब इस दुनिया से रुखसत हो चुके हैं। मगर प्रभुराम की कृपा से यह फिर से प्रारंभ हो गई। जानकारी के अनुसार दशहरा के दिन रावण दहन भी किया जाएगा। रावण की ऊंचाई दस फीट होगी।

संस्कृति चिल्ड्रन्स अकेडमी में "मेरा सपना भारत" पर प्रेरणादायक चर्चा

» जागरूक जनता @ जयपुर। संस्कृति चिल्ड्रन्स अकेडमी में बच्चों ने "मेरा सपना भारत" शीर्षक से एक प्रेरणादायक समूह चर्चा में भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान होस्ट कार्तिक सिंह शेखावत ने कार्यक्रम की रूप रेखा रखी एवं सूर्या हाउस से आरव शर्मा, पृथ्वी हाउस से देवेश अग्रवाल,अग्नि हाउस से गौरव टांक और वायु हाउस से पाखी गुप्ता ने छात्रों का प्रतिनिधित्व किया। नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि छात्रों ने अपने विचार साझा किए और यह समझाया कि वे किस प्रकार के भारत का सपना देखते हैं। चर्चा में मुख्य रूप से शिक्षा, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर जोर दिया गया। छात्रों ने शास्त्री जी के आदर्शों को आधुनिक भारत की चुनौतियों से जोड़ते हुए अपने विचार व्यक्त किए। संस्कृति चिल्ड्रन्स अकेडमी के सचिव आयुष शर्मा ने कहा, "हम चाहते हैं कि हमारे छात्र देश भक्ति की नीतियों से प्रेरित होकर अपने भविष्य को संवारें और देश के विकास में अपनी भूमिका समझें। इस प्रकार के आयोजन से बच्चों के विचारों को अभिव्यक्ति मिलती है और वे देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने लगते हैं।"

एमके फाउंडेशन का विधार्थी प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

एडवोकेट, डॉक्टर्स संग 10वीं, 12वीं के 300 से ज्यादा प्रतिभावान छात्र सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। एम के फाउंडेशन की ओर से स्टूडेंट्स प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ कार्यक्रम के मुख्यातिथि राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के संयोजक इंद्रेश कुमार रहे। विशिष्ट अतिथि अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरमैन अध्यक्ष जसवीर सिंह, एम्स जोधपुर के चेयरमैन एस एस अग्रवाल, एम के फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ असलम नागरा कार्यक्रम में रहे मौजूद। कार्यक्रम आयोजक डॉ. असलम नागर ने कहा की स्टूडेंट प्रतिभा सम्मान समारोह में एडवोकेट्स डॉक्टर के अलावा 10वीं और 12वीं कक्षा में अच्छे नंबर हासिल करने वाले सभी स्टूडेंट्स को सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया करीब 1283 रजिस्र्ड लोगों में से 300 स्टूडेंट्स को सेलेक्ट किया गया। उन्होंने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में काम करने का पूरा इरादा है और क्योंकि माइनॉरिटी आज शिक्षा में काफी पिछड़े हुई है। उन्होंने बताया की चार स्कूल और एक कॉलेज को फाउंडेशन की ओर से 51000 के चेक भी भेंट किए गए।

एम के फाउंडेशन के फाउंडर अय्यूब अली नागरा ने कहा बेहद खुशी हुई कि आज बच्चे शिक्षा। क्षेत्र में काफी नाम रोशन कर थे है इससे सभी समझ में काफी सुधार आया है आज भारत के डॉक्टर्स आईटी के क्षेत्र में दुनिया में काफी रोशन कर रहे है। मीडिया कोऑर्डिनेटर अयूब अली मुंदोरी ने कहा डॉक्टर असलम अपने डायग्नोसिस सेंटर के साथ-साथ समाज सेवा भी करते हैं वह गरीब और ऐसे लोग जिनके पास पैसों की कमी रहती है अपने डाइजेशन सेंटर पर फ्री डायग्नोसिस करते हैं उनका विजन शिक्षा को लेकर बहुत बड़ा है। इश्क प्रोग्राम की कमिटी मेंबर्स एडवोकेट शमशुल, एडवोकेट सरवर आलम, भूपेश यादव व एडवोकेट सिकंदर अली सहित मेंबर्स मौजूद रहे।

श्री श्री कृष्ण बलराम मंदिर में 450 भक्तों ने लिया श्रील प्रभुपाद आश्रय

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जीवन के दुखों को त्यागकर सुख का मार्ग कैसे अपनाया जाए इस ज्ञान का पथप्रदर्शन करता है भक्ति वेदांत स्वामी श्रील प्रभुपाद का मार्ग और भक्ति के मार्ग में प्रशस्त होने का रास्ता दिखाता है श्रील प्रभुपाद आश्रय समारोह। श्री श्री कृष्ण बलराम मंदिर में इस समारोह का आयोजन हुआ जिसमे भक्ति मार्ग की परीक्षा एवं इंटरव्यू पास कर चुके 450 भक्तों ने इस मार्ग पर चलने की प्रतिज्ञा ली। गौरतलब है की आश्रय लेने वालो में देश के अलग अलग हिस्सों से भक्तों ने हिस्सा लिया।

आश्रय में भाग लेने वालों में पुरुष और महिलाएं दोनों ही शामिल थे। श्री श्री कृष्ण बलराम मंदिर में आयोजित होने वाले श्रील प्रभुपाद आश्रय समारोह में लोगों ने साधना भक्ति मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। आश्रय लेने वाले सभी भक्त बहुत ही उत्साहित हैं क्योंकि उनके जीवन की एक नई आध्यात्मिक शुरुआत हुई है सभी भक्त भक्ति मार्ग में आगे बढ़ने के लिए बहुत ही उत्सुक हैं।

मंदिर के अध्यक्ष श्री अमितासना दास ने आश्रय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया की भगवान श्री कृष्ण का भक्ति मार्ग सर्वश्रेष्ठ है और भक्ति वेदांत स्वामी श्रील प्रभुपाद श्री गौड़ीय वैष्णव परंपरा के महान आचार्य एवं गुरु हैं जिन्होंने पूरे विश्व में हरे कृष्ण आंदोलन को स्थापित किया। उन्होंने बताया की आश्रय कार्यक्रम 6 अलग-अलग स्तरों पर होता है जिन्हें पास करके भक्त श्रील प्रभुपाद का आश्रय लेने के हक़दार होता है , यह दीक्षा से पूर्व की प्रक्रिया है जिसमे कम से कम 2 साल का समय लगता है। परीक्षा के लिए पुस्तकों का पठन करना होता है , लिखित परीक्षा पास करना और इसके अंतिम चरण में साक्षात्कार होता है। सभी चरणों को पास करके दीक्षा के लिए भक्त तैयार होता है और भक्ति मार्ग में आगे बढ़कर अपना जीवन सफल बनाता है ।

मेन्टल हैल्थ एट वर्क प्लेस" पर संगोष्ठी आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गौतम हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर, मेंटल हेल्थ फाउंडेशन एवं रिसर्च एजुकेशन एंड सर्विस ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान से मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के अंतर्गत "मेंटल हेल्थ एट वर्कप्लेस" थीम पर विभिन्न विद्यालय एवं महाविद्यालयो में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ मनस्वी गौतम ने संस्कार विद्यापीठ अजमेर रोड धावास विद्यालय में छात्रों को संबोधित करते हुए मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि कार्य क्षेत्र में बढ़ते तनाव, प्रतिस्पर्धा कई बार उदासीनता, नींद में कमी, आत्मविश्वास में कमी, कार्य क्षमता में कमी आदि लक्षणों को जन्म देता है। अतः छात्र जीवन से ही मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजगता आवश्यक है। संस्कार विद्यालय के प्रिंसिपल एवं डायरेक्टर लेखपाल यादव ने भी छात्रों का मनोबल बढ़ाया।

अगले सत्र से विधानसभा होगी पेपरलैस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अगले सत्र से पूरी तरह से पेपरलेस होने जा रही है इसके लिए सदन में तेजी से काम चल रहा है। विधानसभा में सभी विधायकों की टेबल पर आईपैड लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा सभी विधायकों को एक-एक आईपैड भी दिए जाएंगे, ताकि वे अपने घर से भी विधानसभा से जुड़े काम कर सकें। पेपर लेस व्यवस्था के तहत प्रश्न लगाने, जवाब देने से लेकर सभी काम ऑनलाइन ही किए जाएंगे। इसके अलावा विधायकों द्वारा सदन में बोलने पर तत्काल उन्हें पेनड्राइव में प्रोसेडिंग भी उपलब्ध कराने की शुरुआत कर दी गई है। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी बताया कि राजस्थान की विधानसभा तुलनात्मक दृष्टि से बहुत अच्छी तरह से संचालित हो रही है। पिछले सत्र में विधायकों की ओर से किए प्रश्नों में से 92 फीसदी से अधिक के जवाब दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि सभी विभागों के उच्चाधिकारियों को इसके लिए पत्र लिखें गए हैं, ताकि भविष्य में भी विधायकों के प्रश्नों का समय पर जवाब दिया जा सके। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि पहले विधानसभा से आम लोगों की दूरियां रही हैं, लोगों के मन में यही भावना है कि विधानसभा में सिर्फ विधायकों का एंट्री मिलती है। हमने विधानसभा जन दर्शन की पहल की गई है।

निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आंधी। कस्बे स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने निःशुल्क परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान ग्रामीणों ने विभिन्न रोगों से संबंधित चिकित्सकिय परामर्श एवं जांचों का भरपूर लाभ लिया। डॉ. संजय कुमार बैरवा ने बताया कि एएमआरसी अस्पताल द्वारा आंधी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने ग्रामीणों के लिए निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन प्रात 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया गया, जिसमें क्षेत्र के 100 से अधिक ग्रामीण महिला पुरुषों ने स्त्री रोग विशेषज्ञ, नाक, कान, गला, संबंधित बीमारियों एवं हड्डी रोग संबंधित बीमारियों की विशेषज्ञों से निशुल्क जांच करवाते हुए चिकित्सकिय परामर्श लिया गया। शिविर के दौरान ग्रामीणों को चिकित्सकीय परामर्श देने को लेकर एएमआरसी हॉस्पिटल की डॉ. कनिका, डॉ. शंकर, डॉ. संजय कुमार बैरवा प्राकृतिक चिकित्सक एवं निदेशक कृष्णा मेडिकल स्टोर आंधी, रिंकू सैनी, मनोज, दीपमाला, पूजा सहित सहयोगी रामवतार महावार, रामरतन मीना, शंकर सामरिया उपस्थित रहे।

विशेषः विजय दशमी

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक पर्व विजय दशमी, वैसे तो रावण के पुतले के दहन के रूप में जाना जाता है। लेकिन वास्तव में यह पर्व संपूर्ण मानव समाज को अपने भीतर और आस-पास के समाज में मौजूद तमाम बुराइयों के अंत के लिए भी प्रेरित करता है। आइए, हम सब भी इन बुराइयों के दहन का संकल्प लें।

भगवान श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम माना जाता है तो इसकी वजह उनमें विद्यमान वो उच्च जीवन मूल्य और आदर्श गुण हैं, जो केवल किसी महामानव या ईश्वरीय अवतार में ही हो सकते हैं। सभी के प्रति करुणा, प्रेम, मर्यादाओं के आदर्श के साथ ही उनमें सहिष्णुता और क्षमाशीलता की पराकाष्ठा के गुण भी हैं। इन गुणों को अपने जीवन व्यवहार में उतारकर हम भगवान श्रीराम के प्रति अपनी सच्ची श्रद्धा और भक्ति प्रकट कर सकते हैं।

सहिष्णुता-क्षमाशीलता के महानायक भगवान श्रीराम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भगवान श्रीराम के कई उच्च मानवीय गुणों के बारे में हम सब जानते हैं, जैसे उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। उन्हें करुणा का सागर कहा जाता है। वे भक्त वत्सल कहलाते हैं। लेकिन इनके अलावा भी उनमें विद्यमान असीम क्षमाशीलता और सहिष्णुता का गुण, उन्हें महामानव और भगवान के पद पर आसीन करता है। अगर हम भगवान श्रीराम के जीवनचरित की विभिन्न घटनाओं को देखें तो खुद ब खुद पता चल जाता है कि वह सहिष्णुता के महानायक हैं।

प्रेम से खाए शबरी के जूठे बेर

श्रीराम की सहिष्णुता के गुण को गहराई से समझने के लिए हम उनके जीवनचरित की कई घटनाओं को इस कसौटी पर कस सकते हैं। जहां उनमें नैतिकता, धर्म और मर्यादा के साथ-साथ क्षमा और सहिष्णुता के महान गुण दिखते हैं। जैसे उन्होंने शबरी के जूठे बेर खाने में एक क्षण को भी नहीं सोचा, एक क्षण की भी देरी नहीं की। भगवान राम जब मां शबरी के आश्रम पहुंचते हैं, तो माता शबरी उनके लिए बेर एकत्र कर रखे होती हैं, जिन्हें उन्होंने खुद चख-चख करके सुनिश्चित किया हुआ होता है कि वे मीठे हैं या नहीं। क्योंकि मां शबरी भगवान श्रीराम को खट्टे बेर नहीं खिलाना चाहती थीं। लेकिन प्रेम और भक्ति में वह भूल गईं कि उनके चखने से बेर जूठे हो गए। लेकिन भगवान राम ने एक बार भी मां शबरी को यह एहसास नहीं होने दिया कि उनके बेर जूठे हैं। यह प्रसंग भी उनकी सहिष्णुता की पराकाष्ठा को सिद्ध करता है।

बालि को किया अविलंब क्षमा

भगवान श्रीराम में अगर क्षमा का गुण देखना हो तो उसे विभीषण को अपनाने और सुग्रीव के साथ हुए अन्याय को मिटाने के लिए उनके तत्पर हो जाने को देखना चाहिए। जब वह सीता जी की खोज के लिए भटकते हुए सुग्रीव से मिलते हैं और उन्हें पता चलता है कि सुग्रीव की पत्नी और राज्य को बालि ने छीन लिया है, तो वह बिना एक पल गंवाए बालि के विरुद्ध सुग्रीव के पक्ष में खड़े हो जाते हैं। वह सुग्रीव की तरफ से बालि को छुपकर तीर से मार देते हैं, क्योंकि उसे वरदान प्राप्त था कि अगर कोई योद्धा बालि के सामने आएगा तो उसका आधा बल बालि के पास चला जाएगा। इसलिए भगवान श्रीराम सुग्रीव के लिए बालि को पेड़ की ओट से छिपकर मारते हैं। मरणासन्न अवस्था में जब बालि पूछता है कि उन्होंने ऐसा क्यों किया? तो भगवान राम कहते हैं-

अनुज वधू भगनी सुत नारी। रे शठ ये कन्या सम चारी।।
इन्हहिं कुदृष्टि विलोकत जोई। ताहि वधे कछु पाप न होई।।

इस पर बालि को अपनी भूल का अहसास होता है, वह कहता है-

सुनहु राम स्वामी सन चल न चातुरी मोरि।
प्रभु अजहूं मैं पापकी अंतकाल गति तोरि।।

इतना सुनते ही भगवान श्रीराम करुणा विगलित हो जाते हैं और गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं-

सुनत राम अति कोमल बानी।
बालि सीस परसेउ निज पानी।।

बालि के कोमल वचनों को सुनकर भगवान श्रीराम ना सिर्फ उसके अपराधों को क्षमा करते हुए उसे मुक्ति देते हैं बल्कि अपने हाथों से उसके लिए जल तर्पण करते हैं।

रावण के ज्ञान का किया सम्मान

जब चित्रकूट में भरत, अयोध्यावासियों सहित भगवान श्रीराम से जंगल में मिलने जाते हैं, तो उनके साथ तीनो माताएं माता कौशल्या, सुमित्रा और कैकेई भी होती हैं। भगवान श्रीराम मां कैकेई के मांगे गए वचनों के कारण वन जाने के लिए बाध्य होते हैं। लेकिन जब वे तीनों मांओं को जंगल में उनसे मिलने आते देखते हैं तो सबसे पहले माता कैकेई के ही पैर छूते हैं ताकि उन्हें यह अपराबोध ना हो कि श्रीराम उनकी वजह से वनवास गए। इसी तरह जब भगवान श्रीराम, रावण का वध कर देते हैं, तो उनके मन में रावण के प्रति कोई द्वेष नहीं रहता। राम अपने भ्राता लक्ष्मण से कहते हैं कि वे उनके पास अंतिम ज्ञान लेने जाएं। साथ ही वह विभीषण से कहते हैं कि महाज्ञानी और विद्वान रावण का अंतिम संस्कार पूरे सम्मान के साथ किया जाना चाहिए। जहां रावण के प्रति श्रीराम के भीतर क्षमा और सहिष्णुता दोनों दिखती है। *

विभीषण को बना लिया मित्र

भगवान श्रीराम जब लंका के बाहर रावण से युद्ध के लिए अपना डेरा जमाते हैं, तो देखते हैं कि सामने से रावण का सगा भाई विभीषण उनकी तरफ चला आ रहा है। इस पर सुग्रीव को शक होता है कि कहीं विभीषण किसी तरह की हानि पहुंचाने तो नहीं आ रहा है। वह भगवान राम से सतर्क होने के लिए कहते हैं। लेकिन श्रीराम बिना किसी सतर्कता के विभीषण का उठकर स्वागत करते हैं और सुग्रीव-लक्ष्मण की आशंका के बावजूद वे विभीषण के आत्मसमर्पण को सच्चे हृदय से स्वीकारते हैं और उनके सम्मान के लिए उन्हें लंकेश कहकर संबोधित करते हैं। इससे पता चलता है कि उनमें क्षमा और सहिष्णुता के गुण पराकाष्ठा की हद तक विद्यमान थे।

समुद्र देवता को कर दिया क्षमा

मां सीता को रावण के चंगुल से छुड़ाने के लिए भगवान श्रीराम, जब लंका जाना चाहते हैं तो वह समुद्र से मार्ग देने के लिए प्रार्थना करते हैं, लेकिन समुद्र उनकी बात नहीं सुनता। कई दिनों तक प्रतीक्षा करने के बाद श्रीराम को क्रोध आ जाता है। वह लक्ष्मण से अग्निबाण मांगते हुए कहते हैं, 'मैं एक ही बाण से समुद्र को सुखा देता हूं।' भगवान श्रीराम के क्रोध से समुद्र डर जाता है। वह उनके सामने प्रकट होता है और क्षमा मांगता है। इस पर भगवान श्रीराम उसे कतई प्रताड़ित नहीं करते, यह नहीं कहते कि अब वह उसे माफ नहीं करेंगे, क्योंकि उसने उनकी बात तुरंत नहीं सुनी। भगवान श्रीराम समुद्र को तुरंत ही क्षमा कर देते हैं। यही नहीं वह समुद्र के उस पार जाने के लिए उसका मार्गदर्शन भी स्वीकार करते हैं। यह घटना भगवान श्रीराम के उस गुण को दर्शाती है कि भयंकर क्रोध करने के बाद भी वह दूसरे को तुरंत क्षमा कर देने का भाव रखते हैं।

आइए हम करें अपनी बुराइयों का भी दहन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

यह सही है कि विजय दशमी पर हम सदियों से बुराइयों के प्रतीक रावण के पुतले का दहन करते आ रहे हैं। लेकिन अब हमें इस पारंपरिक प्रतीक से आगे बढ़कर विजय दशमी के इस पर्व पर अपने भीतर और आस-पास मौजूद बुराइयों के रावणों को जलाकर इस त्योहार को सार्थक सिद्ध करना होगा। उससे पहले जरूरी है कि हम अपने भीतर ही नहीं देश और संपूर्ण मानव समाज के समक्ष मौजूद उन बुराइयों को पहचानें।

बुरी आदतों को लिखने की आदत डालें: अगर हम अपनी किसी बुराई को दूर करना चाहते हैं तो उसे लिख लें। इस विजय दशमी वाले दिन उसे किसी ऐसे स्थान पर चिपका दें या टांग दें, जहां उस पर हमारी नजर बार-बार पड़े। इससे बार-बार हमारे

भीतर उस बुराई को दूर करने की प्रेरणा मिलेगी और हम धीरे-धीरे उससे मुक्त होने का प्रयास करने लगेंगे।

दिखावे से छुटकारा पाएं: हम सब जानते हैं कि दिखावा करना भी एक बड़ी बुराई है। इसके चलते ना सिर्फ हम जो होते हैं, लोगों को वो नहीं दिखते बल्कि लोगों के सामने हमारी झूठी शख्सियत बनती है, जिससे लोगों को तो धोखा मिलता ही है, हमारा खुद का भी नुकसान होता है। दिखावा करने के कारण हम अपने मूल्यों को, अपनी परंपराओं को छोड़ते चले जाते हैं। झूठ पर झूठ बोलना हमारी मजबूरी हो जाती है। दिखावे की प्रवृत्ति के कारण हम अपनी हैसियत से ज्यादा खर्च करने लगते हैं और इस तरह लोगों के कर्जदार हो जाते हैं। दिखावे की वजह से हम लोगों में अपने प्रति गलत उम्मीदें पनपने का मौका देते हैं और अपने आपको भुलावे में रखते हैं। इस दशहरे पर हम अपने अंदर मौजूद दिखावे की सोच को खत्म करने का संकल्प लें, ताकि इससे उपजने वाली अन्य बुराइयां भी हमें परेशान ना कर सकें। अपने पारंपरिक मूल्यों, संस्कृति की जीवंत परंपराओं के साथ गहराई से जुड़ें। इस साल विजय दशमी के पर्व को सार्थक बनाने का यह भी एक शानदार तरीका हो सकता है। जब हम अपनी दिखावे की प्रवृत्तियों को त्याग देंगे तो हम दूसरों के चहेते तो बन ही जाएंगे, हमें खुद इसके बहुत फायदे मिलेंगे।

समझें धरती का दर्द: खेती और वन योग्य जमीन को लगातार नष्ट करने, भोजन बर्बाद करने और संसाधनों के आवश्यकता से अधिक दोहन की हमारी आदत के कारण ना सिर्फ बहुत तेजी से धरती के संसाधन छीज रहे हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हम उनके पैदा होने के पहले ही कंगाल बनाए दे रहे हैं। अपनी इस सामूहिक बुराई के प्रति जागरूक हों और अंधाधुंध उपभोग को विराम देना जरूरी है, ताकि जो खूबसूरत धरती हमें विरासत में मिली है, आने वाली पीढ़ियों के लिए भी इसकी एक मुकम्मल व्यवस्था बनी रहे। इसलिए हम अपनी ज्यादातर गतिविधियों में इकोफ्रेंडली साबित हों। इसलिए इस विजय दशमी को तय करें कि गैरजरूरी उपभोग और जरूरत से ज्यादा संसाधनों के दोहन की सोच की वजह से हम धरती पर अनावश्यक दबाव नहीं डालेंगे। वैसे भी हमें इस बात को स्वीकारना होगा कि इस धरती के संसाधन किसी एक देश या समाज के लिए नहीं हैं बल्कि समूची मानवता के लिए हैं, इसलिए विजय दशमी को हम जरूरत से ज्यादा उपभोग की अपनी प्रवृत्ति की ख्वाहिश का पुतला भी जरूर दहन करें।

प्लास्टिक प्रदूषण: पर्यावरण विशेषज्ञ, पिछले कई दशकों से आगाह कर रहे हैं कि प्लास्टिक, इंसानों के लिए बेहद जानलेवा है। यह हर गुजरते दिन के साथ धरती को अपने प्रदूषण के जहर से खत्म कर रहा है। देश ही नहीं दुनिया भर की सरकारें लोगों को प्लास्टिक का इस्तेमाल ना करने के लिए

आगाह करती हैं, लेकिन प्लास्टिक के उत्पादन पर रोक नहीं लगातीं। इससे प्रदूषण की स्थिति दिन पर दिन गहराती जा रही है। तो क्यों ना इस विजय दशमी हम इस प्लास्टिकरूपी रावण के दहन का संकल्प करें। इसके इस्तेमाल को रोकने का कम से कम अपने स्तर पर प्रयास शुरू करें।

इस तरह हम सब अगर अपने भीतर और आस-पास की दुनिया में व्याप्त बुराईयों को दूर करने का संकल्प करें तो इससे ना केवल हम सबका जीवन सुंदर बनेगा, तभी विजय दशमी पर्व मनाने की सार्थकता भी सिद्ध होगी। *

बाड़मेर की पहली कलेक्टर, जिसने सात दिन में बदली शहर की सूरत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बाड़मेर। पश्चिम राजस्थान का थार के रेगिस्तान में बसा बार्डर का जिला बाडमेर जो वर्तमान में जिले की मुखिया जिला कलेक्टर के कारण पूरे राज्य में सुर्खियां बटोर रहा है। जी हां हम बात कर रहे हैं बाड़मेर की वर्तमान जिला कलेक्टर टीना डाबी की। डाबी की बदौलत पूरे शहर की सात दिन में स्वच्छता के क्षेत्र में सूरत ही बदल डाली। दरअसल टीना डाबी ने *नवो बाड़मेर* के नाम से स्वच्छता अभियान के नाम पर भामाशाहों के सहयोग से एक अभियान चलाया जो वर्तमान में एक अच्छा रूप ले चुका है।

नवो बाड़मेर

आईएएस टीना डाबी ने करीब एक सप्ताह पूर्व नवो बाड़मेर नाम से एक अभियान चलाया जिसमें कचरे से अटे शहर व चौराहों को स्वच्छ बनाना था, शुरुआत हुई तो भामाशाह भी जुड़े और पूरा शहर की सूरत ही सात दिन में बदल गई।

चौबीस घंटे में बनाई सड़क

नवो बाड़मेर अभियान के तहत स्व तनसिंह चौहान मार्ग को भामाशाह जोगेन्द्रसिह चौहान और राजेंद्र सिंह चौहान ने चौबीस घंटे में उबड़-खाबड़ सड़क मार्ग को डामरीकरण कर कीर्तिमान स्थापित किया। इसके अलावा रेल्वे स्टेशन स्थित अहिंसा सर्किल को भी रंग-रोगन, फाऊंटेन लगाकर सर्किल को ही बदल डाला,जिसकी हर कोई तारीफ कर रहा है। इसके अलावा जिला कलेक्टर स्वयं स्वच्छता अभियान की मानिटरिग कर रही है।

हर कोई आ रहा है आग

नवो बाड़मेर अभियान के अन्तर्गत शहर की विभिन्न स्कूल, भामाशाह, स्वयंसेवी संगठन आगे आ रहे हैं और सड़क, चौराहे गोद ले रहे हैं और शहर की स्वच्छ और सुंदर बना रहे हैं। जिसका हर कोई जिलेवासी बखान कर रहा है। बाड़मेर को ऐसा पहला कलेक्टर मिला है जो सार्वजनिक कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहा है और जिसने गंदगी से अटे बाढाणा को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने की ठानी।

राष्ट्रीय पशुधन योजना मिशन पर केंद्रित कार्यशाला "आरम्भ-2.0" आयोजित

वैज्ञानिक तकनीक और उन्नत नस्ल के उपयोग से आमदनी होगी दोगुनी-बघेल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

टोंक। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर में तकनीकी पंजीकृत प्रतिभागियों के लिए एक दिवसीय भेड़-बकरी और खरगोश उद्यमियों के लिए राष्ट्रीय पशुधन योजना मिशन पर केंद्रित कार्यशाला "आरम्भ-2.0" का आयोजन किया। कार्यशाला में मुख्य अथिति प्रो एसपी सिंह बघेल राजमंत्री मछलीपालन पशुपालन एवं डेरी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कार्यशाला में मौजूद सभी लोगो को सम्बोधन देते हुई वर्तमान समय मे परंपरागत खेती ओर पशुपालन की जगह ऊनत किस्म की खेती ओर पशुपालन को अपनाने का निवेदन किया। विशिष्ट अथिति जोराराम कुमावत पशुपालन कैबिनेट मंत्री ने भारत सरकार द्वारा राज्य को किये जा रहे सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। कुमावत ने बताया कि जल्दी हम केंद्र सरकार के सहयोग से 536 मोबाइल वेटरनरी वैन राज्य के पशुपालक के लिए जारी करेंगे, जिससे मोबाइल वेटरनरी चिकित्सा वैन किसान के द्वारा 1962 टोल फ्री कॉल पर टीम बीमार पशु की घर जाकर इलाज करेगी। कन्हैया लाल चौधरी जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग कैबिनेट मंत्री, डॉ राघवेन्द्र भट्ट उप-माहनिदेशक (पशुविज्ञान) ने भी अपने विचार रखें। अंत में निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर ने अविकानगर संस्थान एवं उनके क्षेत्रिय केंद्र द्वारा देश के विभिन्न राज्यों के किसानों के लिए भेड़-बकरी एवं खरगोशपालन में किये जा रहे कार्यो के बारे में प्रकाश डाला। मीडिया प्रभारी डॉ अमरसिंह मीना ने कार्यक्रम की जानकारी मीडिया को दी।

न्युवोको विस्टास ने राजस्थान में अपनी कुशलता को किया मजबूत

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत के पांचवें सबसे बड़े सीमेंट समूह, को राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में संपन्न नीलामी के दौरान, निम्बोल जिला ब्यावर में स्थित तीन महत्वपूर्ण लाइम स्टोन ब्लॉक के लिए पसंदीदा बोलीदाता घोषित किया गया है। ये नीलामी एमएसटीसी ई-ऑक्शन पोर्टल के माध्यम से आयोजित की गई थी। नीलामी में प्रमुख सीमेंट कंपनियों और अन्य इंडस्ट्रीज ने भी भाग लिया। ब्लॉक 41.37 हेक्टेयर में फैले हुए हैं, इनमें 28.43 मिलियन टन लाइमस्टोन संसाधन होने का अनुमान है, और ये राजस्थान के निम्बोल में हमारी सीमेंट निर्माण सुविधा के काफी पास स्थित हैं, जो प्लांट को एक रणनीतिक लाभ प्रदान करता है। इसके अलावा, इन ब्लॉकों को अन्य सीमेंट कंपनियों की तुलना में अत्यधिक प्रतिस्पर्धी मूल्य पर हासिल किया गया था। इन लाइमस्टोन भंडारों तक पहुंच प्राप्त करके, कंपनी लाइमस्टोन की उपलब्धता में वृद्धि के माध्यम से अपने संचालन की लॉन्गटर्म स्थिरता सुनिश्चित कर सकती है।, प्रबंध निदेशक न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड जयकुमार कृष्णस्वामी ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इन लाइमस्टोन ब्लॉकों को प्राप्त करके, कंपनी अपने संचालन को मजबूत करने के लिए हाई-क्वालिटी वाले संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित करती है। यह रणनीतिक कदम हमारी उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाएगा, जिससे हम सीमेंट इंडस्ट्री की बढ़ती मांगों को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकेंगे।

रामसर कुआं उपस्वास्थ्य केंद्र में मरम्मत की दरकार

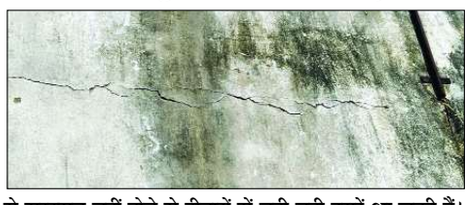

» जागरूक जनता @ रावतसर। ग्राम पंचायत रामसर कुआं स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र जर्जर हालत में है जिससे कभी भी हादसा हो सकता है। उपस्वास्थ्य केंद्र की पिछले कई सालों से मरम्मत नहीं होने से दीवारों में बड़ी बड़ी दरारें आ चुकी हैं। इसके अलावा लाइट फिटिंग, खिड़कियां भी टूट चुकी है। पूरे भवन में बड़ी बड़ी दरारें देखी जा सकती है, जिससे आने वाले मरीजों व कार्यरत स्टाफ के साथ में कभी भी हादसा हो सकता है। उप स्वास्थ्य केंद्र में नियुक्त एएनएम अनित्या जाखड़ ने बताया कि उपस्वास्थ्य केंद्र जर्जर हालत में है और मरम्मत की दरकार है। उन्होंने तुरंत मरम्मत की मांग की है।

ग्रांडपेरेंट्स वटवृक्ष के समान-औदिच्य

» जागरूक जनता @ उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवम प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय, उदयपुर के संघटक समुदाय एवं व्यावहारिक विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अधययन द्वारा ग्रांडपेरेंट्स डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में एचडीएफएस विभाग के विद्यार्थियों द्वारा पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर दादा-दादी , नाना -नानी का स्वागत किया गया। जिसमें 35 से अधिक ग्रांडपेरेंट्स ने भाग लिया। इसके बाद विभागाध्यक्ष डॉ. सुमन औदिच्य ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि दादा-दादी उस वटवृक्ष के समान हैं जिसकी छाया में पूरा परिवार सुकून और शांति का अनुभव करता है। बदलते सामाजिक परिवेश में दादा-दादी, नाना -नानी की भूमिका पर सभी ने अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि नई और पुरानी पीढ़ियां सामाजिक परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाकर इस रिश्ते को खूबसूरती से निभा सकती हैं। कार्यक्रम में अरुणा व्यास, अंजना कुमावत एवं रेखा राठौड़ एवं विभाग के सभी पी.जी.छात्रों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का डिजिटल समन्वयन रवीन्द्र एवं राजी द्वारा किया गया।

आरपीएससी: आयोग ने जारी किया अनुसंधान सहायक (मूल्यांकन विभाग) के 26 पदों पर भर्ती का विज्ञापन

» जागरूक जनता @ जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा मूल्यांकन विभाग में अनुसंधान सहायक के 26 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया हैं। शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचनाऐं आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 अक्टूबर से 13 नवंबर 2024 की रात्रि 12 बजे तक तक किए जा सकेंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। परीक्षा तिथि व स्थान के संबंध में यथा समय सूचित कर दिया जाएगा।

वैश्विक शिखर सम्मेलन में स्मृति, वृत्ति और कृति में पवित्रता की धारणा विषय पर सम्मेलन आयोजित

शुद्ध और पवित्र अन्न के बिना विचारों की शुद्धता नहीं हो सकती है-संत हुजूर कंवर साहेब महाराज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आबू रोड। वैश्विक शिखर सम्मेलन में स्मृति, वृत्ति और कृति में पवित्रता की धारणा विषय पर सम्मेलन आयोजित किया गया। चार दिवसीय सम्मेलन में रोजाना दो सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। सुबह के सत्र में इसमें हरियाणा के संत राधा स्वामी सत्संग के प्रमुख परम संत हुजूर कंवर साहेब महाराज ने कहा कि राधास्वामी कोई अलग मत नहीं है। संत मत में जितने मजहब, धर्म, पंथ आते हैं उनमें से ही एक है। ये भी इंसान को बुराई से बचाते हुए अच्छे गुणों को अपनाते प्रभु के मार्ग पर ले जाने का एक सुगम रास्ता है। जब इंसान की सोच पवित्र, कर्म दिव्य हो जाते हैं तो वह इंसान नहीं रहता, देवतुल्य बन जाता है। सबसे जरूरी चीज है कि इंसान का खानपान शुद्ध और पवित्र होना चाहिए। अन्न शुद्ध नहीं है तो विचारों की शुद्धता हो ही नहीं सकती है। हम जैसा अन्न खाते हैं, वैसा मन होता और वैसे ही विचार आते हैं। विचारों के आधार पर वैसे ही कर्म होते हैं। इसलिए संत-महात्मा जो अन्न ग्रहण करते हैं उसे प्रसाद बोलते हैं। वेश बदल देने से कुछ नहीं होता, इंसान के कर्म पवित्र होने चाहिए। मन-वचन-कर्म से किसी को दुख न दें। सदा मीठे वचन बोलें।

मन के पर्यावरण को स्वच्छ रखें

यूएसए के लेप्स ग्रुप (ऑपरेशंस एंड सेल्स) के वाइस प्रेसिडेंट पीटर कुमार ने कहा कि यदि हमारी विचारों की ऊर्जा सकारात्मक होगी तो वह हमें आगे बढ़ाएगी। विचारों की एनर्जी नकारात्मक होगी तो वह नीचे गिराएगी। हम सोच से ही पापात्मा, पुण्यात्मा, महात्मा और देवात्मा बनते हैं। सोच के आधार पर हमारे कर्म होते हैं और कर्म के आधार पर हमारे स्वभाव, संस्कार बनते हैं और वैसा ही हमारा व्यक्ति त्व बनता है। यदि मन और सोच पवित्र रखेंगे तो जीवन महान बन जाता है। जैसे हम घर को स्वच्छ रखते हैं, वैसे ही मन के पर्यावरण को स्वच्छ रखें।

उन्होंने कहा कि यदि अन्न चोरी, भ्रष्टाचार या गलत तरीके से लाया गया है तो उसके विचार अच्छे नहीं बन सकते हैं। इसलिए अपने संग का भी हमेशा ख्याल रखना चाहिए। महापुरुषों के संग से एक दिन हमारे जीवन में भी विचारों की पवित्रता आ जाती है। यहां आकर शांति और विशेष प्रकार का प्यार मिला जिसे पाकर हमें लगता है, जैसे किसी दूसरी दुनिया में पहुंच गए हैं। यहां जितने भी ब्रह्माकुमार भाई-बहिन मिले, उनकी वाणी व व्यवहार में दिव्यता और सत्यता झलकती है। कार्यक्रम में वैज्ञानिक, इंजीनियर और आर्किटेक्ट विंग के अध्यक्ष राजयोगी बीके मोहन सिंघल, जयपुर सबजोन की निदेशिका बीके सुषमा दीदी, नई दिल्ली हरीनगर की निदेशिका राजयोगिनी बीके शुक्ला दीदी, वैल्यू एजुकेशन प्रोग्राम की सहायक निदेशक बीके लीना बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन शिक्षा प्रभाग की बीके सुप्रिया बहन ने किया।

शाम 6 से सुबह 8 बजे तक कुछ न खाएं

प्रसिद्ध मेडिकल न्यूट्रीलॉजिस्ट डॉ. बिस्वरूप रॉय चौधरी ने कहा कि सुबह 8 बजे से पहले कुछ न खाएं और शाम 6 बजे के बाद कुछ न खाएं। इस नियम का पालन करने से एक सप्ताह में नींद की समस्या दूर हो जाती है। दो सप्ताह में जोड़ों के दर्द, तीन सप्ताह में बीपी, शुगर खत्म हो जाता है। चौथे सप्ताह में वजन कम हो जाता है। यदि आप स्वस्थ रहना चाहते हैं तो दोपहर 12 बजे तक सिर्फ तीन से चार तरह के फल ही खाना है। यदि आपका वजन 70 किलो है तो 700 ग्राम फल लेना है। इसके बाद चार तरह की 350 ग्राम सलाद दोपहर में भोजन के पहले लेना है। इसके बाद रात के भोजन में भी इतनी ही सलाद लेना है। इस नियम के पालन से सारे रोग दूर हो जाते हैं।

निंबाहेड़ा से उदयपुर के लिए कोई रोड़वेज नहीं

प्राईवेट बसों की चांदी, सरकार को राजस्व नुकसान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

निंबाहेड़ा। नगर के सबसे बड़े बस स्टैंड में यात्रियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वहीं उनमें से एक परेशानी है निंबाहेड़ा से उदयपुर जाने वाले यात्रियों को जहां से यात्रियों को उदयपुर जाने के लिए निजी साधनों व लोक परिवहन बसों के ही भरोसे रहना पड़ता है। क्योंकि निंबाहेड़ा से एक भी रोडवेज बस उदयपुर की ओर नहीं जाती। हालांकि यहां पूर्व में लगभग डेढ़ दर्जन बसें रोडवेज प्रबंधन के द्वारा चलाई जा रही थी, जो की अच्छा राजस्व भी राज्य सरकार को दे रही थी। लेकिन राजस्व मिलने के बावजूद भी आखिरकार क्यों रोडवेज प्रबंधन को निंबाहेड़ा से उदयपुर के लिए बसों को बंद करना पड़ा आमजन को कम किराए में रोडवेज की बसें यात्रा करवाती है। यात्री कम किराए में अपने गंतव्य की ओर रोडवेज की सहायता से जाते है, वहीं विशेष कर महिला यात्रियों को 50% की छूट भी राज्य सरकार की ओर से मिल जाती है। लेकिन लोक परिवहन बसों में यह नहीं मिलता। निंबाहेड़ा वासियों को उदयपुर जाने के लिए निजी बसों का ही सहारा लेना पड़ रहा है और निंबाहेड़ा से मंगलवाड़ होते हुए उदयपुर के लिए काफी संख्या में निजी बसें जा रही है। जोकि परिवहन विभाग को टैक्स चुकाने के साथ अच्छा खासा मुनाफा भी अर्जन कर रही है, वहीं यह कई अवैध साधन यथा तीन पहिया ऑटो,लगेज टेंपो सहित जीप भी मंगलवाड होते हुए सांवरियाजी मंदिर जा रहे है। जिससे भी राज्य सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। बहरहाल राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की लापरवाही के कारण निंबाहेड़ा वासियों को निजी साधनों के माध्यम से ही मंगलवार उदयपुर की ओर जाना पड़ रहा है अब देखना यह है, कि आखिर कब तक राज्य सरकार को रोडवेज निगम निंबाहेड़ा से मिलने वाले राजस्व से वंचित रखना है।

जागरूक खबरें

■ लालीवाव मठ में आठ दिवसीय विराट धार्मिक महोत्सव 20 नवम्बर से,

» जागरूक जनता @ बांसवाड़ा। लालीवाव मठ में आगामी 20 नवम्बर से आयोजित आठ दिवसीय विराट धार्मिक महोत्सव के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा अधिक से अधिक क्षेत्रों के सनातनधर्मियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आयोजन समिति की ओर से प्रचार एवं सम्पर्क साहित्य जारी किया गया। लालीवाव पीठ के पद्मनाभ परिसर में रविवार को लालीवाव पीठाधीश्वर महामण्डलेश्वर श्रीमहंत हरिओमदासजी महाराज के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में श्री महाविद्या श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव सेवा समिति के अध्यक्ष प्रसिद्ध एडवोकेट लक्ष्मीकान्त त्रिवेदी एवं समिति के पदाधिकारियों ने पोस्टर्स तथा प्रचार साहित्य का विमोचन कर इसे वितरण एवं प्रदर्शन के लिए जारी किया।

■ महाविद्यालय में नवीन विषय की स्वीकृति

» जागरूक जनता @ रावतसर। बाड़मेर में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की भारी मांग पर विधायक डॉक्टर प्रियंका चौधरी के प्रयासों से स्नातकोत्तर में हिंदी विषय की स्वीकृति मिल गई है। इसके साथ ही सहायक आचार्य के दो नवीन पदों की भी स्वीकृति मिल गई है। सरकार का यह कदम हिंदी विषय में रुचि रखने वाले छात्र-छात्राओं के लिए हितकारी साबित होगा। संपूर्ण राज्य के अलग-अलग 25 कॉलेजों में कई नवीन संकाय व विषय खोलने की स्वीकृति मिली है। संकाय के साथ-साथ आवश्यक शैक्षिक कर्मचारियों की भी स्वीकृति प्रदान की है।

■ श्री कालभैरव देव स्थल पर रात्रि जागरण 11 को कन्या पूजन 12 को

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। बोजुन्दा पॉलिटेक्निक कॉलेज में स्थित श्री कालभैरव (श्री काला जी बावजी) देव स्थल पर नौ दिवसीय नवरात्रि महोत्सव के तहत 11 अक्टूबर को रात्रि जागरण होगा। जबकि 12 अक्टूबर को कन्या पूजन के साथ नवरात्रि समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सेवाओं के बारे में बताएगा डिजिटल वाहन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोटा व विकल्प इंडिया सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में कोटा जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के क्षेत्र में डिजिटल रथ से मिलने वाली सेवाओं का प्रचार प्रसार हो रहा है डिजिटल रथ को स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. जगदीश कुमार सोनी, डीपी चौधरी, विकल्प इंडिया सोसाइटी अध्यक्ष संजय कटारा, सचिव गौरव कुमार मिश्रा, जिला परियोजना प्रभारी वैभव मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर एलईडी रथ को रवाना किया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर रथ का उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं व योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विशेष रूप से आभा आईडी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मिलने वाली सुविधाएं, आयुष्मान भारत योजना, जिसका उद्देश्य गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराना है। रथ में लगी स्क्रीन पर वीडियो दिखाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। इन वीडियो में स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ डेंगू मलेरिया एवं विभिन्न रोगों, उनके होने के कारणों और उनसे बचाव के तरीकों के बारे में बताया जाएगा। यह पहल खासतौर से उन समुदायों के लिए उपयोगी है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं और योजनाओं के बारे में जानकारी का अभाव है। रथ के संचालन की जिम्मेदारी विकल्प इंडिया सोसाइटी की टीम को ही दी गई है जो आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के क्षेत्रों में जाकर प्रचार प्रसार करेगी।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर रथ ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक पहुंचकर उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।" यह पहल सिर्फ सरकारी योजनाओं की जानकारी देने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे एक जागरूकता अभियान के रूप में भी देखा जा सकता है, जिससे लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क और सजग रहें।

भाजपा सदस्यता अभियान को मिलेगी गति-आक्या

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौडगढ़। विधानसभा क्षेत्र चित्तौडगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान को आवश्यक गति प्रदान करने के उद्देश्य से टीम आक्या समर्थित भाजपा पदाधिकारियो की बैठकविधायक चंद्रभानसिंह आक्या की अध्यक्षता में विधायक कार्यालय में आयोजित की गई।

बैठक में विधायक आक्या ने प्रत्येक पदाधिकारियो को मण्डल स्तर पर बैठक आयोजित करने तत्पश्चात बुथ स्तर पर बैठक आयोजित कर अधिक से अधिक संख्या में लोगो को भाजपा की विचारधारा में शामिल कर सदस्य बनाने के निर्देश प्रदान किये। बैठक में मण्डल स्तर की बैठको के लिये प्रभारियों के नाम तय किये गये। इसमें पूर्व नगर परिषद सभापति सुशील शर्मा को सावा व चित्तौडगढ़ शहर, सीकेएसबी चेयरमेन लक्ष्मणसिंह खोर को भदेसर, पूर्व यूआईटी चेयरमेन सुरेश झंवर को चंदेरिया, पूर्व प्रधान प्रवीण सिंह राठौड़ को घोसुण्डा व कर्नल सिंह को बस्सी मण्डल का प्रभारी बनाया गया है।

इस अवसर पर भरत जागेटिया, सुरेश जैन, भोलाराम प्रजापत, शेलेन्द्र झंवर, अनिल ईनाणी, एडवोकेट ओम प्रकाश शर्मा, दिनेश शर्मा, रतन डांगी, रोहिताश्व जाट, पवन आचार्य, नवीन पटवारी, हरि सिंह जाट, विश्वनाथ टांक, रामेश्वर धाकड, बालकिशन भोई, प्रकाश भट्ट, पुरण सिंह राणा, गोपाल गवारिया, नरेश जाट, अशोक जोशी, रवि विराणी, अशोक रायका, जिला परिषद सदस्य भंवर लाल सालवी, घीसु लाल भांबी, रतन गाडरी, रतन भंवर सिंह, बाबु लाल गुर्जर, कालु सिंह केलझर, किशन सुथार, नारायण लाल गुर्जर, गोपाल सिंह नेगडिया, देवकिशन रेगर, किरण सिंह बिजयपुर, राजन माली, किशन गुर्जर, हिरा लाल रायका, राजेन्द्र सिंह बडीखेडा, राजेन्द्र सिंह धरोल, सत्यनारायण वैष्णव, जगदीश मेनारिया, कैलाश गुर्जर, नन्द लाल रेगर, प्रेम चन्द भोई, दिनेश राव, सी.पी. न्याति, सहित बडी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित थे।

बीसीडब्ल्यू अधिकारियों ने भेरड़ा स्कूल में पौधरोपण

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। स्थानीय राउप्रावि भेरड़ा में सीबीईओ शंभूलाल सोमानी के मार्गदर्शन में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें बिरला सीमेंट वर्क्स, चंदेरिया के सीएसआर सीनियर मैनेजर रंजीत प्रसाद एवं पुष्पांजलि यादव सहित समस्त विद्यालय स्टॉफ द्वारा पौधरोपण किया गया। प्रधानाध्यापक मुबारक खान देशवाली सहित विद्यालय परिवार की ओर से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड चंदेरिया इकाई को राज्य स्तरीय भामाशाह शिक्षा भूषण सम्मान मिलने पर स्वागत कर शुभकामनायें दी गई। इस अवसर पर पीईईओ राजेंद्र कुमार दशोरा, स्टाफगण दीपिका सुखवाल, तारा बारबर, मंजू पोखरना, राजेश कुमार गर्ग, तरसेम सिंह, जुनैद खान देशवाली, पुस्तकालयाध्यक्ष अजित कुमार चौधरी, एसएमसी सदस्य, छात्र-छात्रा व गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे।

डॉ. आशा राणा को नेमाटोलॉजी क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित

» जागरूक जनता @ आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय के बायोसाइंसेज विभाग की सहायक प्रोफेसर और प्रसिद्ध नेमाटोलॉजिस्ट, डॉ. आशा राणा को भारतीय शिक्षण मंडल, युवा आयाम द्वारा पर्यावरण संरक्षण और समृद्ध भारत में उत्कृष्ट शोध पत्र लेखन के लिए सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें उनके अद्वितीय शोध कार्य के लिए प्रदान किया गया है, जिसमें उन्होंने एंटोमोपैथोजेनिक नेमाटोड (हेटरोरेबडाइटिस इंडिका) के माध्यम से कीटों के नियंत्रण के क्षेत्र में क्रांतिकारी योगदान दिया है। यह शोध प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर कृषि में कीटनाशकों के स्थान पर एक स्थायी समाधान प्रस्तुत करता है। डॉ. आशा राणा का शोध कार्य कीटों को नियंत्रित करने के लिए एंटोमोपैथोजेनिक नेमाटोड जैसे लाभकारी रोगाणुओं की पहचान और उनके उपयोग पर आधारित है।

व्यावसायिक प्रशिक्षण से आत्मनिर्भरता की ओर कदम

दिव्यांग विद्यार्थियों ने बनाएं दीये

» जागरूक जनता @ आबूरोड। माधव विशेष विद्यालय में दिव्यांग विद्यार्थियों ने दीपावली के पावन पर्व की तैयारी जोरों से शुरू कर दी है। इन विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण में दीपक बनाना, उन पर कलर करना, विभिन्न प्रकार की मोमबत्तियां बनाना, लिफाफे तैयार करना आदि कार्यों का समावेश है। विशेष शिक्षा विभाग के अध्यक्ष, डॉ. राज सिंह सहरावत ने बताया कि विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर विशेष विद्यालय के शिक्षक पवन कुमार, कृष्ण वीर, शिव प्रकाश, शशि गुर्जर, निर्भान सिंह, विष्णु कुमार आदि ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया।

जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने सौंपा ज्ञापन

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। इस्लाम धर्म के पैगम्बर हजरत मोहम्मद सल्लाहो अलैहे वसल्लम पर डासना देवी मंदिर गाजियाबाद यूपी के महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती के बयान पर कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग ने आक्रोश व्यक्त करते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष आबिद कागजी के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष इम्तियाज हुसैन लौहार के नेतृत्व में राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर सख्त कार्यवाही की मांग की गई साथ ही राज्य व केन्द्र सरकार से इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त कानून बनाये जाने मांग की गई। जिला संगठन महामंत्री नवाब खान ने भी अपने विचार रखें।

वीर बिगाजी वार्षिक मेला 14 अक्टूबर को

» जागरूक जनता @ रावतसर। लोकदेवता श्री वीर बिगाजी का वार्षिक मेला 14अक्टूबर को बिगा गांव श्रीडूंगरगढ़, बीकानेर में आयोजित होगा। कमेटी सदस्य मगाराम जाखड़ कुडला ने बताया कि चौदह अक्टूबर को शाम को भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रसिद्ध कलाकार गजेन्द्र अजमेरा, विमला जाखड़ सहित कई कलाकार शानदार भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर लाखों श्रद्धालु मेले में शरीक होंगे।

घर मंगवाये जागरूक जनता हमें कहें.....

सदस्यता फार्म दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
विश्वसनीय हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

150 किमी की रफ्तार के बाद भी वंदे भारत में पर्याप्त यात्रिभार नहीं

बदले रूट के बाद भी सवारी को तरसी वंदे भारत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटा। वंदे भारत देश में सबसे तेज चलने वाली ट्रेन है, लेकिन कई स्थानों पर इस महंगी ट्रेन को पर्याप्त यात्री नहीं मिल रहे हैं। इसका कारण शताब्दी से भी अधिक रेल किराया माना जा रहा है। वंदे भारत ट्रेन को कोटा समेत दर्जनभर रेलमार्गों पर यात्रियों का रेस्पॉन्स नहीं मिल रहा। देश के कुछ रूट्स पर तो वंदे भारत पूरी ऑक्यूपेंसी से चलती है, लेकिन कुछ रूट्स ऐसे भी हैं, जहां वंदे भारत ट्रेन को यात्री नहीं मिल पा रहे हैं। इसमें उदयपुर-जयपुर, उदयपुर-कोटा-आगरा, भुवनेश्वर-विशाखापट्टनम, टाटानगर-ब्रह्मपुर, रीवा-भोपाल, कलबुर्गी-बेंगलूरु, दुर्ग-विशाखापट्टनम, नागपुर-सिकंदराबाद रूट्स शामिल हैं।

यात्री भार पर एक नजर

ट्रेन नंबर	कहां से कहां	सीटें	खाली	ऑक्यूपेंसी
20646	मंगलौर-मडगांव	474	300	36.6%
20174	रीवा-भोपाल	474	264	44.3%
12461	जोधपुर-साबरमती	474	321	32.58%
20981	उदयपुर-आगरा	474	400	15.61%
22303	हावड़ा-गया	1076	579	43.01%
22490	मेरठ-लखनऊ	474	360	24.05%
22231	कालबुर्गी-बेंगलूरु	474	271	30.59%
20101	नागपुर-सिकंदराबाद	1328	1118	15.81%
20892	बहरामपुर-टाटानगर	474	329	30.5%
20841	भुवनेश्वर-वाइजाग	1076	934	8.07%
20871	हावड़ा-राउरकेला	474	294	38.04%

रूट बदला फिर भी नहीं मिल रहा यात्रीभार

उदयपुर से जयपुर मार्ग पर राजस्थान की तीसरी वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत 24 सितम्बर 2023 को की गई। इसके बाद ट्रेन को पर्याप्त यात्रीभार नहीं मिलने से इसके संचालन में परिवर्तन करते हुए 2 सितम्बर से इसे उदयपुर से कोटा होते हुए आगरा तक सप्ताह में तीन दिन और उदयपुर से जयपुर तीन दिन संचालित करने का निर्णय लिया गया, लेकिन फिर भी पर्याप्त यात्री भार नहीं मिल रहा। इसका प्रमुख कारण ट्रेन का किराया अधिक होना माना जा रहा है।

(21 सितम्बर को रेलवे की वंदे भारत ट्रेनों की ऑक्यूपेंसी रिपोर्ट के अनुसार)

यहां वंदे भारत को मिल रहा अच्छा रेस्पॉन्स

देश के मुम्बई -अहमदाबाद, नई दिल्ली-वाराणसी, नई दिल्ली-कटरा, वाइजाग-सिकंदराबाद, सिकंदराबाद-तिरुपति, दिल्ली के आनंद विहार से देहरादून, त्रिवेंद्रम-कासरगोड, चेन्नई-नागरकोल आदि रूट्स पर वंदे भारत के लिए यात्रियों की कोई कमी नहीं है। यहां वंदे भारत 100 फीसदी ऑक्यूपेंसी के साथ चल रही है।

बेहतर कनेक्टिविटी देना उद्देश्य

150 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार में चलने वाली वंदे भारत ट्रेन की विशेषता है कि यह हमेशा निर्धारित समय पर संचालित होती है। इसके साथ ही इसकी पेंट्री सर्विस भी बेहतरीन है। वन्दे भारत संचालन का उद्देश्य देश के प्रमुख शहर को बेहतर कनेक्टिविटी देना है। ऐसे शहर जो बिजनेस हब हैं या औद्योगिक इकाइयों से समृद्ध हैं या फिर बड़े धार्मिक यात्राओं के लिए प्रसिद्ध हैं, उन्हें जोडने के लिए ये ट्रेन चलाई जा रही है।

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26

प्रसाद की राजनीति

सुप्रीम कोर्ट पहुंचते ही तिरुपति मंदिर में कथित मिलावटी घी वाले प्रसाद से जुड़े विवाद का रंग तो उतर गया पर देवी-देवताओं के राजनीति में इस्तेमाल का ज्यादा गंभीर मुद्दा सामने आ गया। सर्वोच्च अदालत ने ठीक ही इस पर सख्त रुख अपनाते हुए आंध्र प्रदेश के सीएम के रवैये की तीखी आलोचना की। तिरुपति के प्रसाद से जुड़े इस विवाद को आधार बनाते हुए जो पांच याचिकाएं दायर की गई हैं, उन पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई हालांकि जारी है, लेकिन पहले ही दिन कोर्ट की नजर में यह तथ्य आ गया कि प्रसाद में मिलावटी घी के इस्तेमाल का कोई ठोस सबूत अभी तक नहीं पाया गया है। इससे न केवल यह पूरा विवाद ही निराधार साबित हो गया बल्कि यह सवाल भी सामने आया कि आखिर क्यों इस पूरे विवाद को तूल दिया गया था। तिरुपति मंदिर देश का एक ऐसा प्रमुख श्रद्धा केंद्र है, जहां से करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी है। मुख्यमंत्री का बयान आने के बाद इस पर स्वाभाविक ही प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गईं। जिस तरह से आंध्र प्रदेश के सत्तारूढ़ दलों की ओर से मंदिर के शुद्धिकरण की कवायद की जाने लगी, उसे लोगों की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ ही कहा जा सकता है। हालांकि, अपने देश में इस तरह का खिलवाड़ कोई नई बात नहीं है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख ने इसे बंद करने की जरूरत को फिर से रेखांकित जरूर किया है। एक याचिका में यह मांग भी की गई है कि हिंदू मंदिरों के प्रबंधन की जिम्मेदारी सरकार के हाथों में नहीं रहने देनी चाहिए। वैसे, यह कोई नई मांग नहीं है। मंदिरों के प्रबंधन का मुद्दा चूंकि समवर्ती सूची में आता है, इसलिए राज्यों में इस मामले में एकरूपता नहीं है। अगर तिरुपति मंदिर के प्रसाद से जुड़े ताजा विवाद से इस मांग को मजबूती मिलने की कोई उम्मीद रही हो, तो वह इस विवाद की असलियत सामने आने के बाद टूट चुकी है। तिरुपति मंदिर के प्रबंधन से जुड़ा मसला चूंकि सुप्रीम कोर्ट के सामने है, इसलिए देखना होगा कि उस पर कोर्ट का क्या रुख रहता है, लेकिन जहां तक आम तौर पर मंदिरों में निजी प्रबंधन का सवाल है तो उसके साथ दो बड़ी दिक्कतें जुड़ी हैं। एक तो यह कि मंदिर की संपदा निजी हाथों में चली जाती है, जिस पर नागरिकों का कोई अप्रत्यक्ष नियंत्रण भी नहीं रह जाता। दूसरी दिक्कत श्रद्धालुओं के साथ भेदभाव से जुड़ी है। आज भी कई मंदिरों में जाति और लिंग के आधार पर प्रवेश से रोकने के उदाहरण मिलते रहते हैं, जिन्हें सही नहीं कहा जा सकता।

जागरूक जनता सरपट
ज्ञानेन्द्र मिश्रा

सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति मंदिर के मिलावटी घी के प्रसाद विवाद पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट की सुनवाई में प्रसाद में मिलावट के सबूत नहीं मिले। आंध्र प्रदेश के सीएम की आलोचना और मंदिरों के निजी प्रबंधन पर सवाल उठाए गए। मंदिरों में जाति और लिंग भेदभाव पर भी चिंता व्यक्त की गई है।

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान में राजभाषा हिंदी पखवाडा, पोषण माह एवं स्वच्छता पखवाडा मनाया गया

स्वच्छता का भाव हमें अपने मन में भी लाना होगा-डॉ. मीणा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। झोटवाडा रोड, बनीपार्क जयपुर में स्थित महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार राजभाषा हिंदी पखवाडा का आयोजन किया गया। पखवाडे के दौरान संस्थाीन में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों की विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताऐं आयोजित करवायी गई। प्रतियोगिता विजेताओं को नकद पुरस्कार व प्रमाण पत्र वितरित किये गये। संस्थान द्वारा 1 सितम्बर से पोषण माह का भी आयोजन किया गया। इस दौरान संस्थान चिकित्सकों द्वारा चिकित्सालय बहिरंग विभाग, अंतरंग विभाग के मरीजों एवं उनके परिजनों को एनीमिया से संबंधित, मिलेट्स रेसिपी, पोषण के प्रति जागरूकता से संबंधित व्याख्यारन देकर जागरूक किया। पोषण माह के दौरान अनेक चिकित्सा शिविर भी आयोजित किए गए। इसमें आम लोगो को पोषक सामग्री का निःशुल्कं वितरण किया गया। राष्ट्रीय पोषण माह 2024 के अंतर्गत ओपीडी स्तकर पर जागरूकता शिविर आयोजित किये गये और क्षेत्रीय व मौसमी आहार विकल्पों के महत्व पर जोर दिया। जीवन शैली परिवर्तन अभियान के तहत् पोषक तत्वों से भरपूर मोटा अनाज की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों के लिए पोष्टिक आहार व दिनचर्या पर जानकारीपूर्ण व्यारख्यान आयोजित किये गये। इस दौरान "एनिमिया के कारण, निदान और प्रभावी प्रबंधन रणनीतिया"शीर्षक से एक वेबिनार भी आयोजित की गई। जिसमें 66 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

संस्थान प्रभारी, डॉ. बी.आर.मीणा ने बताया कि संस्थान में स्वचछता पखवाडा मनाया गया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का भाव हमें अपने मन में भी लाना होगा। तभी सहीं शब्दों में स्वच्छता का अर्थ सिद्ध हो सकेगा। पखवाडे के दौरान आउटरीच परियोजनाओं की टीमों द्वारा आम लोगो को स्वचछता के प्रति जागरूक करते हुए आमजनता को निःशुल्क साबुन वितरीत किये गये एवं हाथो की स्वचछता के बारे में जानकारी दी गयी। साथ ही संस्थान प्रभारी मीणा की अगुवाई में स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। पखवाड़े में संस्थान चिकित्सालय से स्पेस सिनेमा, बनीपार्क तक संस्थाान के सभी अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा श्रमदान किया गया। इसके अलावा 1 अक्टूबर को "स्वच्छता ही सेवा" विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के सभी अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा हिस्सा लिया गया।

नगरीय विकास विभाग का राईजिंग राजस्थान प्री समिट 14 को

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। नगरीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा स्वायत्त शासन विभाग के सहयोग राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 (09 से 11 दिसम्बर) को पूर्ण सफल बनाने के लिए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 से पूर्व 14 अक्टूबर को राइजिंग राजस्थान प्री-समिट का आयोजन किया जा रहा है। समिट के आयोजन के संबंध में प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास विभाग वैभव गालरिया की अध्यक्षता में आवश्यक कार्यों - वेन्यू मैनेजमेंट, मीडिया मैनेजमेंट, प्रोटोकॉल फॉर डेलिगेट्स एमओयू साइनिंग इत्यादि के संबंध में नगरीय विकास विभाग, स्वायत्त शासन विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान आवासन मंडल एवं नगर नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025: बदल सकता है फाइनल का वेन्यू

टीम इंडिया नहीं जाएगी पाकिस्तान!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड तैयारियों में जुटा है। आईसीसी का ये टूर्नामेंट अगले साल की शुरुआत में खेला जाएगा। हालांकि, टीम इंडिया के हिस्सा लेने को लेकर अभी भी स्थिति साफ नहीं है। भारतीय टीम ने 2008 के बाद से पाक दौरा नहीं किया है। ऐसे में भारतीय टीम के 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाक जाने की संभावना ना के बराबर हैं। इसी बीच चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच पाक के बाहर हो सकता है।

बदलेगा चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल का वेन्यू

भारत और पाकिस्तान के बीच पीछले कई समय से रिश्ते अच्छे नहीं हैं, जिसके चलते भारतीय टीम इस देश का दौरा नहीं करती है। इसी के चलते दोनों टीमों के बीच कोई सीरीज भी नहीं खेली जाती है, भारत और पाक के बीच सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप के दौरान ही मैच खेले जाते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर खेला जा सकता है। टूर्नामेंट का फाइनल मैच लाहौर में खेला जाना है। लेकिन टीम इंडिया फाइनल में पहुंचती है तो फाइनल मैच भी पाकिस्तान के बाहर होगा, इसकी पूरी संभावना है कि ये मैच दुबई में कराया जा सकता है।

29 साल बाद पाक में ICC इवेंट

करीब 8 साल के इंतजार के बाद चैंपियंस ट्रॉफी की फिर से वापसी हो रही है। वहीं, ये टूर्नामेंट पिछले 29 साल में पाकिस्तानी जमीन पर आईसीसी का पहला भी इवेंट है। ड्राफ्ट शेड्यूल के मुताबिक टीम इंडिया को अपने सभी मैच लाहौर में खेलने हैं। टीम इंडिया अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी। इसके बाद दूसरा मुकाबला वो 23 फरवरी को न्यूजीलैंड से खेलेगी। वहीं, ग्रुप स्टेज का तीसरा और आखिरी मैच भारत टूर्नामेंट के मेजबान और अपने चिर-प्रतिद्वन्दी पाकिस्तान से 1 मार्च को खेलेगी। लेकिन टीम इंडिया पाकिस्तान के दौरे पर नहीं जाती है तो इन सब मुकाबलों के वेन्यू में बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

APOLLO HOSPITALS LUCKNOW
WELCOMES
Dr Sumit Malhotra
MS, MCh (Gold Medal) Plastic Surgery
Director | Plastic, Cosmetic & Reconstructive Surgery
MON TO SAT 9:00 AM TO 5:00 PM
Apollomedics SUPER SPECIALITY HOSPITALS
Formerly at Dept. of Burns & Plastic Surgery, Safdarjung Hospital, AIIMS New Delhi & KGMU, Lucknow
OVER 25 YEARS OF EXPERIENCE IN
• Reconstructive Surgeries • Maxillofacial Surgeries • Post Trauma Surgeries • Post Surgical Defects • Post Burn Surgeries
• Facial Cosmetic Surgeries • Breast Surgeries • Body Contouring • Hair & Skin Rejuvenation Surgeries
• Fat Removal Surgeries • Hair Transplant • Scar Removal • Mole/Wart/Tattoo Removal
Apollomedics Super Speciality Hospitals, Lucknow
Sector B, LDA Colony, Kanpur Road | w: apollohospitals.com/lucknow
8429021812 | 0522-67 88 888

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

हरियाणा की जनता ने पीएम मोदी पर विश्वास जताते हुए तीसरी बार भाजपा की सरकार पर लगाई मोहर

केंद्र में चौथी बार पीएम मोदी के नेतृत्व में बनेगी भाजपा की सरकार-भजनलाल शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। हरियाणा विधानसभा चुनावों के परिणाम के रूझान आने के साथ ही भाजपा प्रदेश कार्यालय में जश्न का माहौल छा गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया। भाजपा युवा मोर्चा की ओर से आतिशबाजी की गई। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जलेबी बनाकर कार्यकर्ताओं का मुंह मीठा करवाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास जताते हुए तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर मोहर लगाई है। हरियाणा की जनता ने केंद्रीय नेतृत्व, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सीएम नायब सिंह सैनी के कार्यों और भाजपा जो कहती है, वो करती है की बात पर मोहर लगाई है। हरियाणा चुनावों के परिणामों को देखते हुए मैं पूर्ण विश्वास के साथ कह सकता हूं कि देशभर में आने वाले विधानसभा चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ जीतेगी और केंद्र में चौथी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी। हरियाणा विधानसभा चुनावों के प्रचार-प्रसार के दौरान मैंने वहां के कार्यकर्ताओ का उत्साह देखा और हरियाणा प्रदेश की जनता के उत्साह को देखते हुए भाजपा सरकार की हैट्रिक लगेगी यह साफ नजर आ रहा था। हरियाणा की जनता प्रदेश को आगे ले जाने के साथ विकसित हरियाणा बनाना चाहती है। इसलिए भाजपा को तीसरी बार बहुमत प्रदान किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश में लूट और झूठ का सहारा लेकर चुनाव जीतना चाहती है। कांग्रेसी नेताओं ने चुनावों के साथ जनता के बीच अफवाहें फैलाई ,लेकिन मतदाताओं ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को जवाब देने का काम किया है। ऐसे में मैं हरियाणा की जनता को कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने विकास के कार्यों पर मोहर लगाई है। सीएम शर्मा ने कहा कि हरियाणा के प्रभारी सतीश पूनिया और राजस्थान से प्रवास पर गए हमारे कार्यकर्ताओं की मेहतन रंग लाई। राजस्थान से जाने वाले कार्यकर्ताओं ने दिन रात जमीनी स्तर पर मेहनत की, उसका परिणाम भाजपा की सरकार है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी हरियाणा चुनावों में आधा दर्जन विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार की कमान संभाली थी, उन सभी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी की जीत हुई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हरियाणा ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में होने वाले विधानसभा उपचुनावों में भी सभी सीटों पर जीत दर्ज कराएगी। ऐसे में राजस्थान की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि एक तरफ ऐसा नेतृत्व है जो कभी आलू से सोना बनाता है तो कभी फैक्ट्री से जलेबी। ऐसे में राहुल गांधी को अपना जनरल नॉलेज बढ़ाने की आवश्यकता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में विकास के नए आयाम स्थापित किए है। देश में ही नहीं, पीएम मोदी ने वैश्विक पटल भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। ऐसे में हरियाणा की जनता ने देशहित और विकसित हरियाणा के लिए भाजपा सरकार की हैट्रिक लगाई है। कांग्रेस ने एक बार फिर चुनावों में भ्रम फैलाने का काम किया लेकिन हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को सीरे से नकार दिया। कांग्रेस ने हरियाणा में सारे हथकंडे अपनाते हुए चुनाव जीतने का माहौल बनाया लेकिन हरियाणा की जनता ने मोदी पर विश्वास जताया। एक ओर कांग्रेसी नेता कहते है भाजपा आरक्षण समाप्त कर देगी, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी विदेश में जाकर यह कहते है कि सत्ता में आएंगे तो हम आरक्षण समाप्त करेंगे। देशवासी कांग्रेसी नेताओं की हकीकत समझ गए और हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाने का काम किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आदर्शवादी पार्टी है, जो कहती है, वो करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसान बिल को हरियाणा की जनता ने समर्थन किया और भाजपा को बहुमत प्रदान किया। हरियाणा ही नहीं, जम्मू कश्मीर में भी भाजपा का जनाधार बढ़ा है, वहां निष्पक्ष चुनाव हुए है यह जम्मू कश्मीर के लिए बड़ी उपलब्धि है। आज जम्मू कश्मीर में शांतिपूर्ण मतदान हुआ, पत्थरबाजी की घटनाओं के साथ आतंकवाद पर नकेल कसी गई, यह सब नरेंद्र मोदी के नेतृत्वमें संभव हो पाया है। राठौड़ ने एक बार फिर दावे के साथ कहा कि राजस्थान के आगामी 7 विधानसभा उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत होगी और प्रदेश की जनता मोदी जी के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार के कार्यों पर मोहर लगाएगी। भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ अलका गुर्जर ने सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणा में भाजपा सरकार की हैट्रिक लगने पर शीर्ष नेतृत्व को शुभकामनाएं दी और प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त किया।

भाजपा कार्यालय में कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, मदन दिलावर, राज्य मंत्री जवाहर बेड़म,विधायक गोपाल शर्मा, सांसद लुम्बाराम चौधरी, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, भाजपा उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सीआर चौधरी,भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, महेंद्र कुमावत, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक , भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, सोशल मीडिया संयोजक हिरेंद्र कोशिक, आईटी संयोजक अविनाश जोशी, मोर्चो के प्रदेश अध्यक्ष व जिले के पदाधिकारी सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने मीठाई खिलाकर मुंह मीठा किया।

माधव विश्वविद्यालय का छठा दीक्षान्त समारोह आज

1741 छात्र-छात्राओं को मिलेंगी उपाधियां

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय में आज 9 अक्टूबर को छठे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जायेगा। विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. डॉ. राजकुमार के मुख्य आतिथ्य व कुलाधिपति हिम्मत सिंह देवल की अध्यक्षता में दीक्षांत समारोह आयोजित किया जायेगा। दीक्षांत समारोह के दौरान विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं की कुल 1741 उपाधिया प्रदान की जायेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक सफर की समाप्ति पर सम्मानित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह का भव्य आयोजन विश्वविद्यालय परिसर के सभागार में आयोजित किया जायेगा। जो छात्र-छात्रा व्यक्तिगत रूप से किसी कारणवश इस समारोह में शामिल नहीं हो पाएंगे, उनके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से ऑनलाइन प्लेटफार्म पर लाइव प्रसारण की सुविधा प्रदान की है। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं का कहना है कि यह दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के लिए ही नहीं बल्कि विश्वविद्यालय के लिए भी गौरव का क्षण होगा जब वह अपने विद्यार्थियों को सफलतापूर्वक आगे बढते हुए देखेगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ. मुकेश कुमार महावर ने बताया कि दीक्षांत समारोह के दौरान पीएचडी. की 22, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की 321, स्नातक पाठ्यक्रम की 782 एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम की 616 उपाधियां प्रदान की जायेगी। इसके अलावा विभिन्न विषयों के 189 छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र दिये जायेगें। समारोह को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन की तैयारियां पूर्ण हो चुकी है विश्वविद्यालय के सभी संकाय अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष व अन्य स्टाफ इस आयोजन को भव्य बनाने के लिए भरसक प्रयास कर रहे है। समारोह से एक दिन पूर्व विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से पूर्वाभ्यास भी किया गया। इस पूर्वाभ्यास में चेयरपर्सन हिम्मत सिंह देवल, प्रेसीडेन्ट प्रो. डॉ. राजीव माथुर, रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत, परीक्षा नियन्त्रक डॉ. मुकेश महावर, रिसर्च अधिष्ठाता डॉ. पवन कुमार, अकादमिक अधिष्ठाता डॉ. महेंद्र सिंह परमार सहित विभिन्न संकाय के अधिष्ठाता व विभागाध्यक्ष व छात्र-छात्रा मौजूद रहे।

जयकारा में आज होगी मेवाड़ डांडियॉ कींग प्रतियोगिता

'जयकारा' में युगल डांडियॉ ने बांधा समा- देर रात तक खनके डांडियॉ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। महाराणा प्रताप सेतु मार्ग स्थित श्रीनाथ गार्डन मे मेवाड महोत्सव समिति द्वारा आयोजित नवरात्री डांडियॉ महोत्सव जयकारा-2024 में देर रात्री तक खनके डांडियॉ, गरबा डांडियॉ के नृत्य से थिरकते हुए 400 से अधिक प्रतिभागि माता की भक्ति में विलीन हुए।

मेवाड महोत्सव समिति के अध्यक्ष अनन्त समदानी एवं कार्यक्रम संयोजक गोपाल भूतडा के अनुसार गरबा रास मे अगर परम्परा और सजे धजे परिधानों मे ढोल नगाडो की थाप पर थिरकते कदमो की खुबसुरती दिखे तो नाज होना स्वाभाविक है। मेवाड़ महोत्सव समिति द्वारा आयोजित नवरात्री डांडियॉ आयोजन जयकारा 2024 में सोमवार को अलग अलग डिजाईन की खुबसुरत पोशाकें गरबा में शरीक लोगों के उत्साह एवं खुबसुरती बयॉ करती थी। महिलाएॅ जहॉ चन्या चोली पहन कर आई तो पुरूष पारम्परिक काठियावाडी परिधानों मे थे लडकियों ने लहंगा चोली और पगडी के साथ अपने अनोखे लुक मे चार चांद लगाए। वहीं पुरूषों ने भी काठियावाडी रंग बिरंगे और केडिया के आधुनिक स्टाइल का तडका लगाया। रात 8:30 बजे जैसे ही आरती शुरू हुई ओम जय जगदम्बे ..... की पावन ध्वनी ने पूरे माहौल को भक्तिमय कर दिया। ऐसा लग रहा था अपार जनसमुह एक साथ मॉ की शक्ति के चरणों मे नतमस्तक हो गया। आरती के बाद जब गरबे की ताल शुरू हुई तो रंग-बिरंगे लहंगे, सजी धजी पगडियॉ और परिधानों मे हर कोई गरबा के जश्न मे खो गया था हर प्रतिभागी अपनी खास स्टाईल के साथ डांडियॉ और गरबा को एक नया अन्दाज दे रहा था। मेवाड़ महोत्सव समिति के जयकारा-2024 ने साबित कर दिया कि चित्तौडगढ की नवरात्री उत्सव यादगार बनकर लोगों के दिलों मे उतर गई। वही दुसरी और बच्चे भी गुजराती एवं राजस्थानी अन्दाज मे तैयार होकर पहूंचे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी पूर्व राज्यमंत्री सुरेन्द्र सिंह जाडावत एवं विशिष्ट अतिथी, पूर्व नगर परिषद सभापति गीतादेवी योगी, पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रेमप्रकाश मुन्दडा, पूर्व नगर पालिका चेयरमेन रमेशनाथ योगी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष अनिल सोनी, पार्षद बालमुकुन्द मालीवाल, ड्रग इस्पेक्टर दीपाली पाठक, समाजसेवी अम्बालाल श्रीमाल, माहेश्वरी महिला जिलाध्यक्ष कृष्णा समदानी, श्री इण्डस्ट्रीयल के डायरेक्टर ललित खण्डेलवाल, अनिल नाटानी, सांवलिया टेक्सटर के डायरेक्टर सत्यनारायण विजयवर्गीय, अशोक कलंत्री, लोकेश सेठिया थे जबकि प्रतियोगिता के निर्णायक जौहर क्षत्राणी मंच से राजकंवर, ऐकेसी के डायरेक्टर धीरज बिलोची, मेकप आर्टिस्ट भावना तंवर थे। युगल डांडियॉ प्रतियोगिता मे प्रथम यश टेलर/प्रियांशी पटवा, द्वितीय अमित विजयवर्गीय /भानु प्रिया साहु, तृतीय-शुभम तंवर/पायल कंवर, जबकि रनर अप -रोनक बसेर/नेहा, रतन सालवी/महिमा योगी, आशीष काबरा/राधा काबरा, पृथ्वी/महिमा शर्मा, स्वपनिल/शिवानी, सिद्वार्थ/कनक, निखिल जैन/सलोनी, बलजीत सिंह/आरजू, राज कुशवाह/शिवानी लक्ष्यकार, भरत आगाल/भावना आगाल, आशीष सोमानी/ऋचु सोमानी, राकेश छीपा/पिंकी सोमानी को समिति अध्यक्ष अनन्त समदानी एवं उपस्थित अतिथियों ने पारितोषिक प्रदान किये।

मेवाड महोत्सव समिति के उपाध्यक्ष अभिषेक श्रीमाल एवं आयोजन सचिव अनुराग द्विवेदी ने बताया कि जयकारा मे आज बुधवार को मेवाड डांडियॉ कींग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। साथ ही फ्री स्टाइल राउण्ड, कपल राउण्ड, गुजराती गरबा हाथ से आदि कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

नवरात्री के इस भव्य आयोजन की व्यवस्था मे गोपाल पोरवाल, बन्टी शर्मा, नरेश बाहेती, अभिमन्यु समदानी, यश टेलर, अमित सोमानी, बलजीत सिंह सोनी, अनुराग बांगड, अंकित लढ्ढा, अभिषेक मुन्दडा, अभिनन्दन काबरा, ओमप्रकाश सुखवाल, दिनेश कुमावत, हिमांशु जाजु, अक्षत पोखरना, आयुष माहेश्वरी, हर्षवर्धन सिंह चौहान, बादल शर्मा, विभोग पुंगलिया, विकास गंगवाल, अमन आगाल, अर्पित छीपा, आशुतोष छीपा, दीपक शर्मा, आशीष सोमानी, एवं महिला कार्यकर्ता-रेखा समदानी, वन्दना भूतडा, जया तोषनीवाल, रीना जागेटिया, सीमा सुखवाल, सुनिता कोर सोनी, राधा काबरा, भावना आगाल, ज्योति तिवारी, वन्दना कुमावत, पूर्वा वीरवाल, राधिका बाहेती, ऋचु सोमानी, आरती सोडानी, दिप्ती माहेश्वरी, अक्षिता माहेश्वरी, रंजना मेनारिया, हरबंस कोर, रूची श्रीमाल, लक्षिता श्रीमाल आदि व्यवस्थाओ मे लगे।

अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को शीघ्र जारी होगी छात्रवृति, केंद्र सरकार ने जारी किए आदेश

» जागरूक जनता @ **जयपुर।** अब राज्य के अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र छात्राओं को छात्रवृति के लिए अधिक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। केंद्र सरकार ने वर्ष 2022-23 और वर्ष 2023-24 के अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत बकाया हिस्सा जारी करने के आदेश कर दिए है। अब शीघ्र ही छात्रों को लंबित छात्रवृति का भुगतान कर दिया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि केंद्र सरकार ने कुल 250 करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया है। इस बजट से अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के शैक्षणिक क्षेत्र 2022-23 और 2023-24 के जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति से लाभान्वित किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कुल आवंटित बजट में वर्ष 2022-23 के 19245.77 लाख रुपए और वर्ष 2023-24 के 5754.23 लाख रूपए बकाया शामिल है।

ब्लॉक स्तरीय किशोरी मेला संपन्न, 120 प्रतिभागियों ने दिखाया कौशल

विद्यार्थियों की सृजनात्मकता प्रशंसनीय-एसडीएम बीनू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चितौड़गढ़। राबाउमा विद्यालय शहर के तत्वावधान में मंगलवार को ब्लॉक स्तरीय किशोरी मेले का आयोजन किया गया। एक दिवसीय किशोरी मेले में चितौड़गढ़ पंचायत समिति के 120 प्रतिभागियो ने भाषा, सामाजिक परिवेश और विज्ञान-गणित विषय को लेकर अपना कौशल प्रदर्शित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि चितौड़गढ़ पंचायत समिति प्रधान देवेंद्र कंवर ने संबोधित करते हुए कहा कि बालिका शिक्षा के सकारात्मक प्रयास सामने दिखने लगे हैं। बालिकाओं का आगे आना भविष्य के प्रति आशान्वित करता है। एक बालिका के पढ़ने से दो घर रोशन होते है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही उपखंड अधिकारी बीनू देवल ने विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को बेहतरीन बताते हुए कहा कि रचनात्मकता के ये प्रयास बच्चों में आगे कुछ नया और अलग करने का जुनून पैदा करेगा। देवल ने प्रत्येक मॉडल का बारीकी से अवलोकन कर प्रतिभागियों से लक्ष्य के प्रति केंद्रित रहने की बात कही। सीबीईओ शंभूलाल सोमाणी ने आयोजन की तारीफ करते हुए बच्चों की मेहनत को प्रशंसनीय बताया।

मैसूर का दशहरा

भारतीय राज्य कर्नाटक का दूसरा सबसे बड़ा शहर मैसूर है। यह शहर अपने महलों और अपने प्रसिद्ध विजय दशमी उत्सव के लिए जाना जाता है। मैसूर का दशहरा पूरी दुनिया में मशहूर है। यह दस दिनों तक चलने वाला एक भव्य आयोजन है, जिसकी शुरुआत 400 साल से भी पहले हुई थी। मैसूर का प्राचीन राजमहल अपने दशहरा आयोजन का पर्याय माना जाता है। 1610 में इस पर्व की शुरुआत राजा वाडिया प्रथम ने की थी। यह आज भी करीब-करीब वैसे ही मनाया जाता है, जैसी 1610 में इसकी शुरुआत हुई थी। इस त्योहार में हाथियों का जुलूस निकाला जाता है, जिसे जंबो सावरी कहा जाता है। इस जुलूस में शामिल होने वाले हाथियों की अगुवाई करने वाले हाथी की पीठ पर 750 किलो सोने का अंबारी होता है, जिसमें माता चामुंडेश्वरी की मूर्ति रखी जाती है। दशहरे के मौके पर मैसूर के राजमहल को भव्य तरीके से सजाया जाता है। *

दुनिया भर में विख्यात देश के ये

दशहरा महोत्सव

एक अनुमान के मुताबिक देश में करीब 20 हजार से ज्यादा अलग-अलग दशहरा समारोह आयोजित किए जाते हैं। हालांकि सभी दशहरे आयोजन की अपनी परंपराएं हैं, अपनी विशेषताएं हैं, लेकिन इनमें से पांच दशहरा आयोजन सबसे विशिष्ट माने जाते हैं, जिनकी प्रसिद्धि दुनिया भर में है। इन दशहरा आयोजनों के इतिहास और इनकी विशेषताओं पर एक नजर।

कुल्लू का दशहरा

मैसूर के दशहरे की तरह ही हिमाचल प्रदेश में स्थित कुल्लू का दशहरा भी देश-विदेश में मशहूर है। यह भी एक किस्म का शाही उत्सव है, जो 8 दिनों तक चलता है। कुल्लू के दशहरे को देखने के लिए हर साल हजारों की तादाद में देसी-विदेशी पर्यटक आते हैं। लेकिन बाकी जगहों में जहां दशहरा नवरात्र में शुरू होता है, वहीं कुल्लू का दशहरा विजय दशमी के बाद शुरू होता है और फिर अगले आठ दिनों तक चलता है। यह दशहरा उत्सव परंपरा, हिमाचली रीति-रिवाज और इतिहास पर रोशनी डालने के साथ संपन्न होता है। कुल्लू का दशहरा उगते चांद (शुक्ल पक्ष) के दसवें दिन से शुरू होता है। इस उत्सव में रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन नहीं किया जाता बल्कि इस उत्सव में भगवान रघुनाथजी की रथयात्रा निकाली जाती है, जिसमें हिस्सा लेने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। इस उत्सव में देवी-देवताओं की मूर्तियों को बेहद आकर्षक पालकियों में सजाकर उनका जुलूस निकाला जाता है। कुल्लू दशहरा के इस आयोजन में राजघराने के सभी सदस्य देवी-देवताओं का आशीर्वाद लेने के लिए आते हैं। माना जाता है कुल्लू दशहरे की शुरुआत, यहां के राजा जगत सिंह ने की थी। उन्हें कुष्ठ रोग था, जिससे छुटकारा पाने के लिए उन्हें एक साधु ने रघुनाथजी की प्रतिमा स्थापित करने की सलाह दी थी।

बनारस का दशहरा

देश के मशहूर दशहरा आयोजनों में वाराणसी से सटे उपनगर रामनगर में आयोजित दशहरे का भी शुमार होता है। इसे देखने के लिए भी दशहरा के अवसर पर देश-विदेश से हजारों लोग आते हैं। हालांकि दिल्ली की तरह ही वाराणसी में जगह-जगह रामलीलाओं का आयोजन होता है और पूरे दस दिन रातभर शहर में रामलीलाओं की धूम मची रहती है। लेकिन वाराणसी से सटे रामनगर में आयोजित होने वाला पिछले 200 सालों से यह दशहरा आयोजन अपने आपमें अनोखा है। इस दशहरे को देखने के लिए देश के हर कोने से रामकथा पर आस्था रखने वाले लोग आते हैं। रामनगर के दशहरे का खास महत्व यह है कि यहां एक महीने तक रामकथाओं के मंचन के बाद दशहरा आयोजन आता है और इसका समापन दशमी को नहीं बल्कि पूर्णमासी के दिन होता है। यहां होने वाली रामलीलाएं किसी स्टेज पर नहीं होती बल्कि दूर तक फैले गंगा के घाटों में होती हैं। हां, यहां रामलीला में हर एक सीन के लिए अलग स्थान को चुना जाता है यानी पूरे एक महीने तक रामलीलाओं का मंचन स्थान बदलता रहता है।

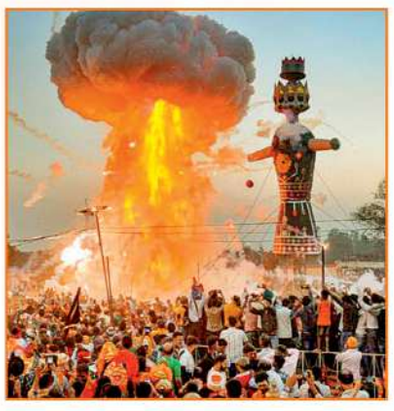

बस्तर का दशहरा

बस्तर में दशहरे का आयोजन भी अपनी तरह का एक विशिष्ट आयोजन है। यहां दशहरा एक, दो, तीन दिनों तक नहीं बल्कि 75 दिनों तक आयोजित होता है और साल 2023 में तो इसका आयोजन 107 दिनों तक हुआ था। बस्तर दशहरे की शुरुआत पाठजात्रा रस्म के साथ होती है और फिर एक-एक करके इसमें चौदह प्रमुख रस्में अदा की जाती हैं। बस्तर के दशहरे के आयोजन के दिनों की संख्या हर साल बदलती रहती है, क्योंकि यह संख्या ग्रह-नक्षत्रों के आधार पर तय होती है। लेकिन यह बदलाव आमतौर पर दो या इससे कम दिनों का होता है। लेकिन 2023 में कुछ खास कारणों से यह बदलाव 25 दिनों का हुआ, इस साल यह 77 दिनों तक आयोजित होगा। बस्तर दशहरे की प्रमुख रस्मों में पाठजात्रा, डेरी गढ़ई, काछनगादी, जोगी बिठाई, फूल रथयात्रा, बेल पूजा, निशाजात्रा, जोगी उठाई, मावली परघाव, भीतर रैनी, बाहर रैनी, मुरिया दरबार, कुटुंबजात्रा और होली विदाई के साथ दशहरा खत्म होता है।

दिल्ली का दशहरा

देश की राजधानी दिल्ली अपने तरह-तरह के दशहरा आयोजनों के लिए भी प्रसिद्ध है। दिल्ली में कोई एक दो जगहों पर नहीं बल्कि नौ जगहों पर दशहरे का भव्य आयोजन किया जाता है। दिल्ली के इन नौ प्रसिद्ध दशहरों में शामिल हैं- रामलीला मैदान, सुभाष मैदान, लालकिला मैदान, डीडीए ग्राउंड एनएसपी प्रीतमपुरा दशहरा, धार्मिक लीला समिति लालकिला लॉन, श्रीराम भारतीय कला केंद्र, द्वारका सेक्टर-10 का दशहरा, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम का दशहरा और केशवपुरम रामलीला मैदान का दशहरा। अगर कहा जाए कि दिल्ली विख्यात दशहरा आयोजनों से पटी पड़ी है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। सच्चाई तो यह है कि देश की राजधानी दिल्ली में होने वाले ये सभी दशहरा आयोजन अलग सांस्कृतिक महत्व भी रखते हैं।

{ सांस्कृतिक परंपरा / राधाशरण शर्मा }

यहां पर होती है आयोजित देश की सबसे पुरानी रामलीला

क्या आप जानते हैं, देश में सबसे पुरानी और सबसे पहली रामलीला कहां और कब आयोजित की गई थी? यह उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के ऐशबाग में आयोजित होने वाली रामलीला है। कैसे हुई इसकी शुरुआत, क्या है इसकी विशेषताएं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

नवरात्र शुरू होते ही और कई स्थानों पर तो उससे भी काफी पहले से रामलीलाओं का आयोजन देश भर में आरंभ हो जाता है। क्या आप जानते हैं, रामलीलाओं के आयोजन का यह सिलसिला कई सदी पुराना है? सबसे पहली बार रामलीला का मंचन वर्तमान लखनऊ में किया गया था।

ऐशबाग में रामलीला मंचन के विभिन्न दृश्य

तुलसीदास ने की शुरुआत: लखनऊ के ऐशबाग में आयोजित होने वाली रामलीला का मंचन 500 सालों से भी ज्यादा पुराना है। इसके साथ जुड़ी सबसे खास बात यह है कि इसे खुद गोस्वामी तुलसीदास जी ने शुरू करवाया था। 16वीं शताब्दी में जब तुलसीदास जी ने अपना ग्रंथ 'रामचरितमानस' पूरा किया और इसे जन-जन तक पहुंचाने के बारे में सोचा करते थे, उन्हीं दिनों एक बार उन्होंने चौमासा (बरसात के चार महीने) का प्रवास लखनऊ के मौजूदा ऐशबाग इलाके में किया और बारिश के दिनों में हर रोज वह अपनी लिखी हुई रामकथा (रामचरितमानस) को लोगों को सुनाया करते थे। इसी क्रम में उन्हें एक दिन यह ख्याल आया कि क्यों ना जैसे वह कथा सुना रहे हैं, ऐसे ही उसका मंचन किया जाए, जिससे लोगों को आसानी से रामकथा समझ में आ जाए। इस विचार को उन्होंने अपने सायंकालीन कथा श्रोताओं से भी साझा किया। उन्हें भी यह विचार पसंद आया। लेकिन सवाल यह था कि जैसे बाबा तुलसीदास ने मानस लिखी थी, उसका वैसे ही मंचन कौन करे? वास्तव में आम लोगों के बीच तब यह कथा इतनी लोकप्रिय नहीं थी कि आम लोग इसको पूरी तरह से आत्मसात करते हुए, मंचन संभव कर सकें। यह साधु-संतों के जरिए ही संभव था, क्योंकि साधु-संत इस कथा से अच्छी तरह से परिचित थे। तुलसीदास बाबा ने इस संबंध में साधु-संतों से चर्चा की तो वे भी खुशी-खुशी इसके लिए तैयार हो गए। इस तरह 16वीं शताब्दी में पहली बार रामलीला के मंचन की शुरुआत अयोध्या के खांटी साधु-संतों के जरिए हुई। यह मंचन बहुत पसंद किया गया और इसे जबर्दस्त जनसमर्थन मिला। लोग रामकथा को अपनी आंखों के सामने स्टेज पर मंचित होते हुए देखकर अभिभूत हो गए। इस तरह देश में रामलीलाओं के मंचन का महान सांस्कृतिक अभियान आरंभ हो गया, जो आज भी अनवरत जारी है।

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल: रामलीला की शुरुआत का वह दौर था, जब लखनऊ में गंगा-जमुनी तहजीब का खूब बोलबाला था। हिंदू और मुसलमान बिना किसी धार्मिक भेदभाव के एक-दूसरे के साथ घुल-मिलकर रहते थे। अवध के नवाब अली शाह, जिनके उत्तराधिकारी वाजिद अली शाह थे, ने तो शाही खजाने से इस रामलीला के मंचन के लिए मदद भी भेजी थी। इस तरह रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी की देख-रेख बल्कि कहना चाहिए उनके ही निर्देशन में रामलीला का मंचन शुरू हुआ। उसके बाद के वर्षों में इस रामलीला को साधु समाज ने अपने शिखर पर पहुंचाया।

दो वर्ष नहीं हुआ मंचन: वर्ष 1857 में जैसे ही इस देश में अंग्रेजों के विरुद्ध आजादी का आंदोलन शुरू हुआ तो माहौल पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया, जिस कारण 1857 से 1859 तक ऐशबाग की यह ऐतिहासिक रामलीला बंद रही। जब 1860 में यह दोबारा से शुरू हुई तो इसका आधुनिक स्वरूप अस्तित्व में आया। इसके लिए ऐशबाग रामलीला कमेटी का गठन हुआ, जो तब से अब तक वैसे ही चली आ रही है। माना जाता है कि लखनऊ के ऐशबाग में रामलीला के मंचन के बाद ही तुलसी बाबा ने रामलीलाओं के मंचन का यह प्रयोग चित्रकूट और बनारस में किया।

मंचन में हुए कई बदलाव: हालांकि 16वीं शताब्दी में जब रामलीला की शुरुआत हुई थी, तब से आज तक इसके मंचन में अनगिनत बदलाव हो चुके हैं, फिर भी रामलीलाओं की मूल संकल्पना वही है, जो 500 साल पहले गोस्वामी तुलसीदास जी ने तय किया था। इन रामलीलाओं में राम की कथा का सिलसिलेवार ढंग से मंचन किया जाता है। जाहिर है, हर दौर में अभिव्यक्ति का तरीका बदल जाता है। क्योंकि पिछले 500 सालों में हमारी अभिव्यक्ति का तरीका बेहद उन्नत और आधुनिकता से भरपूर हो गया है, इसलिए 500 साल पहले की रामलीलाओं और आज की रामलीला में जमीन आसमान का फर्क है। आज पूरे देश में सबसे हाईटेक रामलीला भी यही ऐशबाग की रामलीला है।

ऐशबाग की रामलीला इतनी प्रसिद्ध है कि हर साल इसे देखने के लिए देश के कोने-कोने से ही नहीं बल्कि दुनिया के कोने-कोने से बड़ी संख्या में लोग आते हैं। इसका डिजिटल प्रसारण भी होता है। इस रामलीला में देश के जाने-माने अभिनेता भी शामिल होते हैं।

स्पेशल: हैप्पी बर्थ-डे बिग-बी
11 अक्टूबर

आधी सदी से अधिक की अपनी अभिनय यात्रा में अमिताभ बच्चन ने बेमिसाल उपलब्धियां हासिल की हैं। इमोशनल डॉक्टर, एंग्री यंग मैन, झक्की बूढ़े, बीमार बच्चे, जुनूनी टीचर से लेकर माइथो कैरेक्टर तक उन्होंने सैंकड़ों फिल्मों में अपने टैलेंट का जादू बिखेरा है। कमाल की बात है, आज भी उनके एक्टिंग टैलेंट में हर बार एक नया निखार देखने को मिलता है। उनकी अब तक की एक्टिंग जर्नी पर एक नजर।

अभिनय के चमत्कार अमिताभ बच्चन

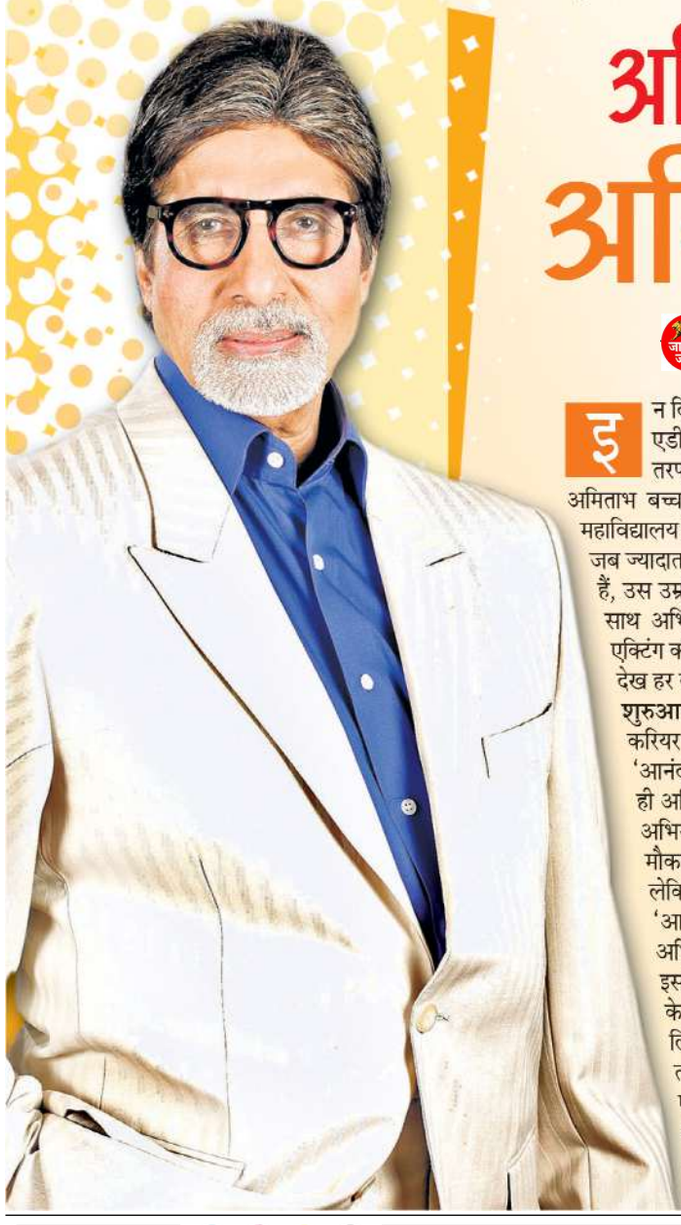

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

इन दिनों ब्लाक बस्टर फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन के अभिनय की हर तरफ जमकर तारीफ हो रही है। सचमुच, अमिताभ बच्चन महज अभिनेता नहीं, अभिनय के महाविद्यालय हैं। विशेषकर उम्र के इस तीसरे पड़ाव में जब ज्यादातर अभिनेता रिटायर होकर घर बैठ जाते हैं, उस उम्र में अमिताभ नई उम्र के कलाकारों के साथ अभिनय की नई-नई उंचाइयां छू रहे हैं, एक्टिंग की ऐसी चकाचौंध बिखेर रहे हैं कि जिसे देख हर कोई हतप्रभ है।

शुरुआत में ही दिख गई थी प्रतिभा: अपने करियर के शुरुआती वर्ष 1971 में आई फिल्म 'आनंद' और 1973 में आई फिल्म 'जंजीर' में ही अमिताभ ने साबित कर दिया था कि वह अभिनय के ज्वालामुखी हैं, जरा भी अनुकूल मौका मिलने पर अपनी प्रतिभा दिखा देंगे। लेकिन 'जंजीर' का विजय खन्ना और 'आनंद' के डॉ. भास्कर बनर्जी अपने अभिनय की प्रतिभा का जलवा बिखेर पाते, इसके पहले ही उन्हें उस समय की इंडस्ट्री के फार्मूला फिल्मकारों ने हाइजैक कर लिया और एक दशक से ज्यादा समय तक उनकी सारी अभिनय प्रतिभा को एक्शन वाली फिल्मों में निचोड़ते रहे। हालांकि उस दौरान भी 'शोले', 'अमर-अकबर-एंथोनी', 'चुपके-चुपके', 'शक्ति', 'सिलसिला' और 'अग्निपथ' जैसी फिल्मों में रह-रहकर उनकी अभिनय प्रतिभा दिख ही जाती थी।

फिल्म 'आनंद' में राजेश खन्ना के साथ अमिताभ

इन फिल्मों में दिखाया लाजवाब टैलेंट: अपनी उम्र के इस पड़ाव में लगता है जैसे अभिनय के इस शहंशाह ने खुद को एक्टिंग की भट्टी में झोंक दिया है। चाहे जितना जटिल और चाहे जितना अटपटा किरदार रहा हो, अमिताभ उसे यादगार बनाने में सक्षम हैं। वह उसमें जान फूंक देने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। आर. बाल्की की फिल्म 'पा' में तो उन्होंने अपने अभिनय से ही नहीं, बल्कि मेकअप कैरी करने के मामले में भी इतिहास रच दिया। विद्या बालन और अभिषेक बच्चन के साथ उन्होंने फिल्म में एक ऐसे बच्चे का रोल निभाया, जिसकी बायोलोजिकल उम्र तो बारह साल ही थी लेकिन प्रोजोरिया बीमारी से ग्रस्त होने कारण उसका शरीर सत्तर साल के आदमी के बराबर था। अमिताभ ने इस किरदार को निभाने में अपनी कला का नायाब नमूना पेश किया। दीपिका पादुकोण और इरफान के साथ 'पीकू' में भी उन्होंने एक ऐसे कब्ज ग्रस्त बंगाली बूढ़े का खूबसूरत अभिनय किया है, जिसे देखकर कई समीक्षक कह चुके हैं कि कोई बंगाली कलाकार भी किसी बंगाली का इतना जीवंत अभिनय नहीं कर पाता। अपने जादुई अभिनय का यही सफर अमिताभ ने पिछले दिनों आई फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में भी जारी रखा है। अपनी दमदार आवाज और कद-काठी की बदौलत बिग बी ने इस फिल्म में अश्वत्थामा के किरदार में जान डाल दी।

फिल्म 'कल्कि' में दमदार भूमिका में दिखे बिग बी

तीसरी पारी में बनाई नई पहचान: कई फिल्म क्रिटिक्स मानते हैं कि उन्होंने अभिनय से सराबोर अपनी यह तीसरी और नई पारी 'मोहब्बतें' से शुरू की थी। 'मोहब्बतें' में उन्होंने 10 अभिनेता-अभिनेत्रियों के बीच अपने किरदार में कुछ ऐसी जान डाली कि फिल्म में उनका होना एक मुहावरा एक यूएसपी बन गया। अपनी तीसरी पारी में अमिताभ ने सचमुच अपनी एक नई पहचान बनाई है। शाहरुख-सलमान की फिल्मों में एक जिंदादिल पिता का किरदार अदा करना हो या फिर 'सरकार' जैसी फिल्म में सीरियस माफिया डॉन का किरदार निभाना हो। चाहे किसी सीरीज में 'गॉडफादर' सदृश किरदार निभाने की बात हो या हल्की-फुल्की कॉमेडी की। अमिताभ बच्चन अब इस सबकी कभी परवाह नहीं करते कि उनकी इमेज में कोई स्टेटमेंट है या इसकी कोई दिशा ही नहीं है। यही वजह है कि पलकें उठाने में भी अपनी ताकत प्रदर्शित करने वाले 'सरकार' के अमिताभ 'पीकू' के एक चिड़चिड़े और स्वार्थी बंगाली झक्की बूढ़े में पूरी तरह घुल-मिल जाते हैं।

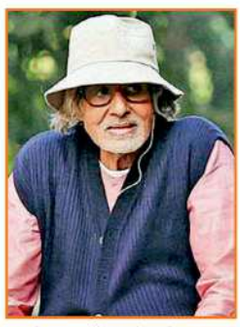

फिल्म 'पीकू' में अमिताभ

'सरकार' में बिग बी

करते रहें अभिनय से चमत्कृत: अमिताभ वास्तव में अभिनय के ऐसे महाविद्यालय हैं, जहां से नई पीढ़ी के एक्टर्स बहुत कुछ सीख सकते हैं तो अनुभवी एक्टर्स भी यह देख सकते हैं कि अपने कैरेक्टर में कैसे खुद को झोंका जाता है? अमिताभ की मंझी हुई और विविधता से भरी हुई अभिनय प्रतिभा, जो दिन पर दिन अभी निखरती ही जा रही है, उसे देखकर तो लगता है कि हॉलीवुड के कुछ निर्माता-निर्देशकों को भी उनकी तरफ देखना चाहिए और कोई जटिल एशियाई चरित्र जिसे साधना उनको कठिन लग रहा हो तो उन्हें अमिताभ के साथ कुछ फिल्में करनी चाहिए। निश्चित ही बिग बी उस कैरेक्टर में भी नई मिसाल कायम करेंगे।

उनके 83वें जन्म दिन पर हम सबकी दुआ है कि वे स्वस्थ-निरोग रहें और अपनी अभिनय प्रतिभा से अपने चाहने वालों चमत्कृत करते रहें।

'ब्लैक' में एक्टिंग से किया हतप्रभ

साल 2005 में हेलेन केलर के जीवन से प्रभावित संजय लीला भंसाली की फिल्म 'ब्लैक' में अमिताभ ने अपने अभिनय की धार से सबको सन्न कर दिया। एक नेत्रहीन और जिद्दी लड़की मिशेल के टीचर देबराज सहाय के रूप में अमिताभ का अभिनय किसी चमत्कार से कम नहीं था। वह फिल्म में टीचर कम अभिनय के जादूगर ज्यादा लगते हैं। एक एंग्लो-इंडियन दंपती पॉल और कैथरीन मैकनेली (धृतिमान चटर्जी और शेरनाज पटेल) जब उन्हें अपनी देख, बोल-सुन ना पाने वाली बेटी पढ़ाने के लिए सौंप देते हैं, तो मानों वह उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए अपने समूचे वजूद को ही दांव पर लगा देते हैं।